वर्ष : 16 ❖ अंक : 340 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक

रविवार, 24 जुलाई 2022

ईडी के नोटिस पर संजय राउत बोले- आओ गिरफ्तार कर लो 3

दूसरी टी20 में आयरलैंड को हराकर सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय टीम 8

बीजेपी का एकमात्र लक्ष्य सिक्किम में सत्ता हासिल करना है : डी.बी. चौहान

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जुलाई । भारतीय जनता पार्टी सिक्किम में सरकार बनाना चाहती है। एक राजनीतिक दल होने के नाते, सिक्किम में भाजपा का अंतिम लक्ष्य सत्ता प्राप्त करना है। यह बात भारतीय जनता पार्टी सिक्किम के प्रदेश अध्यक्ष डी.बी. चौहान ने कही।

उन्होंने यह बयान पाकिम जिले के रंगपो में हाल ही में संपन्न राष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की जीत का जश्न मनाने के लिए आयोजित जीत समारोह में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दिया। चौहान का कहना है कि भारतीय जनता पार्टी सिक्किम में सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रही है और इसके साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यहां उल्लेखनीय है कि राज्य में अभी भाजपा के साथ एसकेएम पार्टी की गठबंधन सरकार केवल नाम के लिए है। हालांकि बीजेपी के नेता और विधायक समय-समय पर सरकार विरोधी बयान देते रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष डी.बी. चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, जिसमें पार्टी के अधिकांश विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे, कहा कि पार्टी का सपना राज्य की सत्ता पर काबिज होना है और पार्टी कार्यकर्ताओं को इसके लिए दृढ़ रहना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बताया कि पार्टी के नेता और विधायक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सरकार बनाने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए अपने-अपने स्तर से पार्टी में योगदान देने का भी आह्वान किया। अपने संबोधन में डीबी चौहान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिक्किम में सत्ता पाने के अलावा और कुछ नहीं मानेगी और पार्टी कार्यकर्ताओं को भी इस बात का ध्यान रखना चाहिए।

पाकिम हवाई अड्डे पर विमान परिचालन बंद

यात्रियों को हो रही काफी दिक्कत

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जुलाई । देश के पूर्वोत्तर में स्थित सीमावर्ती हिमालयी राज्य सिक्किम को हवाई मार्ग से जोड़ने वाले एकमात्र पाकिम हवाई अड्डे पर सेवा प्रदाता स्पाइसजेट एयरलाइंस की उड़ानें बगैर किसी सूचना के ही पिछले 51 दिनों से बंद हैं। पिछले वर्ष जनवरी में फिर से चालू हुए पाकिम हवाई अड्डे पर विमान सेवा के बंद रहने से सिक्किमवासियों एवं पर्यटकों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है।

वहीं देश के सबसे आधुनिक और बेहतरीन हरित हवाई अड्डा होने का दावा किये जाने वाले पाकिम हवाई अड्डे से बिना किसी सूचना के उड़ान सेवा बंद होने के बारे में जानकारी लेने गए पत्रकारों को वहां केवल सुरक्षाकर्मी ही दिखे। ऐसे में उन्हें वहां स्पाइसजेट की सेवा बंद होने के कारणों के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिल पाई।

गौरतलब है कि सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण सिक्किम को देश-दुनिया से जोड़ने वाले एकमात्र पाकिम हरित हवाई अड्डे में उड़ान

उड़ान सेवा निलंबित किए जाने की आधिकारिक सूचना भी नहीं की गई जारी

सेवा ठप होने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी जून 2019 से जनवरी 2021 के 21 महीनों तक इसी प्रकार बिना किसी सूचना के स्पाइसजेट ने लैंडिंग समस्या और खराब मौसम का हवाला देते हुए पाकिम हवाई अड्डे पर सेवा बंद कर दी थी।

बाद में सिक्किम उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप पर पाकिम हवाई अड्डे पर मुख्य हवाई पट्टी को और चालीस मीटर तक विस्तृत करने की आवश्यकता बताये जाने पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा विस्तार के साथ-साथ इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) स्थापित करने के बाद पिछले जनवरी के तीसरे सप्ताह से इस हवाई अड्डे को औपचारिक रूप से फिर खोला गया था।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के सहयोग से आवश्यक नेविगेशन प्रदर्शन अधिकार आवश्यक (आरएनपी-एआर) जांच करने तथा लैंडिंग के क्रम में आने वाले अवरोधों को हटाने के साथ ही 5 किमी दृश्यता के भौतिक सत्यापन की सिक्किम उच्च न्यायालय में लिखित आश्वासन दिये जाने के बाद भी अभी तक यह कार्य न होने पर हवाई उड़ानें फिर बंद होने के कगार पर है।

उल्लेखनीय है कि पाकिम हवाई अड्डा नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के मापदंडों के अंतर्गत 2सी श्रेणी के हवाई अड्डे में आता है और इसके अनुसार सभी मापदंडों को भी पूरा करता है। लेकिन इसके बावजूद हवाई सेवा प्रदाता स्पाइसजेट द्वारा बगैर किसी सूचना के हवाई सेवा को निलम्बित रखा गया है। हालांकि इसके बावजूद कुछ समय तक वेबसाइट पर टिकटें उपलब्ध रहने के बाद गत 2 जून के बाद से यहां एक भी उड़ान लैंडिंग नहीं हुई है।

इस सम्बंध में इस संवाददाता द्वारा स्पाइसजेट के स्टेशन प्रबंधक संदीप नारंग से टेलीफोन पर सम्पर्क करने की कोशिश के बावजूद उनसे बात नहीं हो पायी। हालांकि सूत्रों ने बताया कि खराब मौसम के कारण ही उड़ान सेवाएं स्थगित की गयी हैं।

बता दें की सिक्किम की राजधानी गंगटोक से 30 किमी दूर स्थित सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पाकिम ग्रीनफिल्ड हवाई अड्डे का गत 24 सितम्बर 2018 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया था। उसके बाद 4 अक्टूबर 2018 को पाकिम से कोलकाता के बीच यहां से पहली उड़ान संचालित हुई थी।

द्रौपदी मुर्मू की जीत पर बीजेपी का विजय जुलूस

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जुलाई । लोकतांत्रिक सिक्किम के इतिहास में देश में किसी भी राष्ट्रपति की जीत का जश्न इस बार कभी इस तरह से नहीं मनाया गया। देश के 15वें राष्ट्रपति चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए प्रत्याशी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की 18 जुलाई को हुई जीत का जश्न मनाने का सिलसिला अभी भी जारी है। कल सरकार और सत्तारूढ़ एसकेएम पार्टी ने राज्य के सभी 6 जिलों में बड़े उत्साह के साथ विजय उत्सव का आयोजन किया, जबकि आज भारतीय जनता पार्टी सिक्किम प्रदेश इकाई ने रंगपो में उसी जीत का जश्न मनाया।

स्थानीय माझीगांव में कार्यक्रम स्थल पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। फिर सिक्किम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डीबी चौहान और भाजपा विधायकों के नेतृत्व में विजय जुलूस भी निकाला गया जिसने रंगपो बाजार की परिक्रमा की।

कार्यक्रम के दूसरे भाग का समापन स्थानीय सामुदायिक भवन में रंगारंग कार्यक्रम के साथ हुआ। आज के कार्यक्रम में काफी समय बाद सिक्किम के भाजपा नेता और विधायक एक ही मंच पर नजर आए। इस कार्यक्रम में विधायक डीटी लेप्चा और एनके सुब्बा को छोड़कर सभी विधायक मौजूद थे।

कार्यक्रम में विधायक राजकुमारी थापा ने देश की पहली आदिवासी और दूसरी महिला राष्ट्रपति के जीवन पर प्रकाश डाला। इसी तरह विधायक डीआर थापा और प्रदेश अध्यक्ष डीबी चैहान ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। अपने संबोधन में, विधायक थापा ने चिंता व्यक्त की कि वर्तमान में सिक्किम में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के साथ-साथ बेरोजगारी और मादक दवाओं की बिक्री और खपत बढ़ रही है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पर बाहरियों की पार्टी होने का आरोप लगाया जाता है, लेकिन वास्तव में केवल भारतीय जनता पार्टी ही सिक्किम के संवैधानिक कवच, अनुच्छेद 371 एफ और रूल 4 की रक्षा करती है। दूसरी ओर विधायक थापा ने मौजूदा सरकार पर सिक्किम और सिक्किम की सुरक्षा को नष्ट करने का आरोप लगाया। इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष चौहान ने अपने भाषण में कहा कि सिक्किम में भारतीय जनता पार्टी का अंतिम लक्ष्य सत्ता हासिल करना है और कहा कि इसके साथ कोई समझौता नहीं होगा।

आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर समारोहों को लेकर तैयारी बैठक आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 23 जुलाई । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के निर्देशानुसार भारतीय स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव के एक हिस्से के तौर पर समारोहों के भव्य आयोजन की तैयारियों पर चर्चा हेतु आज स्थानीय मनन केंद्र में राज्य सरकार के सलाहकार तथा चेयरमैन द्वारा एक बैठक की गयी। इस बैठक में समारोह आयोजन से सम्बंधित कई निर्णय लिये गये।

एसीएएस के अध्यक्ष बिरेन्द्र तामलिंग ने बताया कि बैठक में सिक्किम सरकार की विभिन्न योजनाओं के समर्थन में आम राज्यवासियों की भलाई हेतु एडवाईजर्स एंड चेयरमैन एसोसिएशन ऑफ सिक्किम (एसीएएस) के नाम में एक एसोसिएशन का गठन करने का निर्णय लिया गया।

इस एसोसिएशन में नियुक्त सदस्यों में टीएन ढकाल, सीएल डेन्जोंपा, डीबी गुरुंग, मिंग्मा ल्हामू भूटिया को सलाहकार, बिरेन्द्र तामलिंग को अध्यक्ष, लुकेन्द्र रसाइली, भीम कुमारी शर्मा को उपाध्यक्ष, पूजा शर्मा को महासचिव, छुंगछुंग भूटिया को कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

इनके अलावा पीके सुब्बा को सोरेंग, पेमा वांगचुक शेरपा को गेजिंग, कर्मा टाशी भूटिया को पाकिम, खगेन्द्र मोहरा को गंगटोक, छेवांग नोर्बू लेप्चा को मंगन और ताशी दोरजी तामंग को नामची जिलों का सचिव नियुक्त किया गया है।

वहीं हरि नारायण सुबेदी प्रचार सचिव और गंगा परसाई, सुनीता शर्मा एवं अन्य कार्यकारी सदस्य बनाये गये हैं। वहीं बैठक में आगामी 8 से 13 अगस्त तक एसोसिएशन द्वारा सभी जिलों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने का भी निर्णय लिया गया है।

लिंगचोम नारी शक्ति समूह का स्थापना दिवस मना

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 23 जुलाई । महिला सशक्तिकरण एवं उनके कल्याण हेतु गठित लिंगचोम नारी शक्ति समूह द्वारा आज अपने पांचवें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। इसके अंतर्गत पश्चिम सिक्किम के विभिन्न हिस्सों से काफी मात्रा में महिलाओं के नवगठित समूह ने इसका पालन किया। इस अवसर पर लिंगचोम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की प्राचार्य यांग्देन सिक्मो मुख्य अतिथि थे। वहीं इस दौरान पंचायत समिति अध्यक्ष फुलमान लिम्बू एवं अन्य सदस्यों के अलावा नारी समूह की उपस्थिति रही।

दीप प्रज्जवलन के साथ शुरू हुए उक्त कार्यक्रम में स्वागत वक्तव्य रखते हुए संगठन अध्यक्ष लक्ष्मी गुरुंग ने समूह का वार्षिक प्रतिवेदन पेश किया। साथ ही उन्होंने सामाजिक विसंगतियों को दूर करने के साथ ही पर्यावरण संरक्षण तथा नारी समाज के हित में किये गये कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने समाज में नारियों के कर्तव्य एवं आगामी दिनों की भावी योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की। वहीं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मनाये गये इस आयोजन में समाज में उल्लेखनीय योगदान हेतु महिलाओं को सम्मानित (शेष पृष्ठ ०३ पर)

अधिकारियों ने किया बारपाथिंग में प्रभावित इलाकों का दौरा

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 23 जुलाई । पाकिम जिला कलेक्टर के निर्देश पर पाकिम एसडीएम (मुख्यालय), आरओ एडी, आरएस अमीन, सड़क व सेतु विभाग के सहायक अभियंता एवं संयुक्त अभियंता तथा स्थानीय लोगों ने बारपाथिंग में क्षतिग्रस्त क्षेत्र का मुआयना किया। इस निरीक्षण दल में छिरिंग भूटिया भी शामिल रहे।

जानकारी के अनुसार बारपाथिंग सड़क के ठीक ऊपर से निर्माणाधीन नयी सड़क के कारण इस सड़क एवं आस-पास के इलाकों में मिट्टी और मलबे आ जाने से इलाके में धान के खेत, इलाइची के पौधे आदि क्षतिग्रस्त हुए हैं।

वहीं नियमित तौर पर मलबों का गिरना जारी है। निरीक्षण के बाद पाकिम एसडीएम (मुख्यालय) ने तुरंत ही सड़क निर्माण में संलग्न एनएचआईडीसीएल तथा अन्य सम्बंधित कम्पनी के प्रतिनिधियों से बात की और समस्या के शीघ्र समाधान के बारे में कहा।

डिकलिंग गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल का 75वां स्थापना दिवस समारोह मना

अनुगामिनी नि.सं.

पाकिम, 23 जुलाई । जिले के डिकलिंग गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के 75वें स्थापना दिवस पर आज स्कूल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के शिक्षा मंत्री केएन लेप्चा ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने मुख्यमंत्री 1 माइल दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया और साथ ही स्कूल के प्रकाश द्वार (जुबिली गेट) का शिलान्यास भी किया।

इसके अलावा कार्यक्रम में आजादी के अमृत महोत्सव पर 22 जुलाई से 22 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले प्रकाश महोत्सव 2022 के उद्घाटन समारोह को भी प्रदर्शित किया गया। यह महोत्सव डिकलिंग सीनियर सेकेण्डरी स्कूल द्वारा आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर अमृत महोत्सव के अंतर्गत की गयी पहल है। वहीं समारोह के अंत में उल्लेखनीय कार्य हेतु कई शख्सियतों की सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर अपने वक्तव्य में शिक्षा मंत्री लेप्चा ने स्कूली अधिकारियों को आजादी की 75वीं वर्षगांठ की बधाई देते हुए राज्य सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में चलायी गयी विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। इसमें उन्होंने सिक्किम मणिपाल मेडिकल कॉलेज, तादोंग में 50 नि:शुल्क एवं 30 शुल्क वाले एमबीबीएस सीटों की व्यवस्था करने की बात कही।

कार्यक्रम में रेनॉक विधायक बीके खतिवाड़ा ने कार्यक्रम में पारम्परिक परिधानों में पेश किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रम पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सिक्किम में सभी समुदायों में आपसी सौहार्द के साथ आजादी की 75वीं वर्षगांठ मनाना बड़ी बात है। उन्होंने कार्यक्रम में शिरकत करने हेतु शिक्षा मंत्री को धन्यवाद भी दिया।

वहीं इस दौरान शिक्षा मंत्री ने डिकलिंग गवर्नमेंट सीनियर सेकेण्डरी स्कूल की ई-पत्रिका 'उदय' को भी विमोचन किया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर ताशी चोफेल, पाकिम एडीसी (डेव) पवित्र शर्मा, पाकिम एसपी, एसडीएम (मुख्यालय), एसडीएम, गंगटोक एसडीएम, पंचायत सदस्य, सम्बंधित अधिकारी एवं स्कूली विद्यार्थी एवं शिक्षक मौजूद रहे।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महिला से दुष्कर्म, चारों अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। राजधानी में एक 30 वर्षीय महिला को रेलवे में नौकरी दिलाने के बहाने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की ट्रेन लाइटिंग हट में ले जाकर चार रेलवे कर्मचारियों द्वारा यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस ने कहा कि उन्हें घटना के संबंध में शुक्रवार को फोन आया था। दिल्ली पुलिस के रेलवे डीसीपी हरेंद्र के सिंह ने कहा कि चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, सभी आरोपी बिजली विभाग में रेलवे कर्मचारी हैं।

आरोपियों की पहचान सतीश कुमार, विनोद कुमार, मंगल चंद मीणा और जगदीश चंद के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया, 'कॉल पहले पीएस ओडीआरएस पर दोपहर लगभग 2:27 बजे आई थी। वहां के कर्मचारियों ने कॉलर की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिली। दिए गए मोबाइल नंबर पर उससे संपर्क करने पर पता चला कि वह ख्लेटफॉर्म नंबर 8-9 पर खड़ी है। पुलिस ने बताया कि एसएचओ तुरंत स्टाफ के साथ 8-9 ख्लेटफॉर्म पर पहुंचे, जहां उन्होंने पीड़िता से मुलाकात की।

पीड़िता ने बताया कि वह पिछले एक साल से अपने पति से अलग है और तलाक मांग रही है। करीब 2 साल पहले वह एक कॉमन फ्रेंड के जरिए सतीश के संपर्क में आई थी। उसने उससे कहा कि वह एक रेलवे कर्मचारी है और उसके लिए नौकरी की व्यवस्था कर सकता है। दोनों फोन पर बात करते रहे। 21 जुलाई को उसने अपने बेटे के जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए उससे अपने घर आने के लिए कहा। वह रात करीब साढ़े दस बजे मेट्रो से कीर्ति नगर आई। जहां से आरोपी उसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पीएफ 8-9 ले आए। उसने उसे बिजली के रखरखाव कर्मचारियों के लिए बने एक झोपड़ी में बैठने के लिए कहा।

पुलिस ने कहा, 'फिर वह और उसका दोस्त कमरे के अंदर आए और उसे अंदर से बंद कर दिया और एक के बाद एक उसका यौन उत्पीड़न किया। उसके दो साथियों ने कमरे के बाहर पहरा दिया।'

पीड़िता को पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसकी मेडिकल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत साथ सामेहिक दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कर चारों को गिरफ्तार कर लिया है।

ईडी छापेमारी को लेकर बीजेपी का ममता बनर्जी पर हमला, कहा- बंगाल की जनता के पैसे की लूट

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भ्रष्टाचार के कथित मामले में पश्चिम बंगाल के मंत्री की गिरफ्तारी के बाद शनिवार को मांग की कि जांच एजेंसियों को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शीर्ष नेतृत्व से पूछताछ करनी चाहिए। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्कूल शिक्षकों की भर्ती में कथित घोटाले की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। जब यह कथित घोटाला हुआ था, उस समय चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव चटर्जी से जांच के सिलसिले में शुक्रवार सुबह से पूछताछ की जा रही थी। उन्हें लगभग 26 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने आरोप लगाया कि टीएमसी नेताओं ने विभिन्न पदों पर भर्ती के सिलसिले में वर्षों से भारी धनराशि जमा की है। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के स्पष्ट संदर्भ में कहा कि इस बात पर कोई विश्वास नहीं करेगा कि उसके (तृणमूल कांग्रेस के) आलाकमान''को इसकी जानकारी नहीं थी। किसी का नाम लिये बगैर घोष ने यहां पत्रकारों से कहा, अब तक सामने आए सबूतों के आधार पर शीर्ष नेतृत्व से पूछताछ की जानी चाहिए।''

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने बताया कि टीएमसी प्रमुख बनर्जी, केंद्रीय जांच एजेंसियों को बदनाम'' करने के लिए विभिन्न विपक्षी दलों के अभियान में सबसे आगे रही हैं। उन्होंने कहा कि यह चोर मचाए शोर'' का मामला है। ईडी ने राज्य के उद्योग मंत्री चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को भी हिरासत में ले लिया है, जिनके एक परिसर से 21 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई थी। भाजपा नेताओं ने कहा कि मुखर्जी के घर से जब्त नकदी के जरिये टीएमसी के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश हुआ है।

बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि वह चटर्जी की प्रशंसा कर रही थीं और अब, लोग जानते हैं कि उनकी सराहना शायद भ्रष्टाचार के पैसे को संभालने के लिए की गई थी। सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के स्पष्ट संदर्भ में केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि वह इन एजेंसियों को बदनाम करने और डराने-धमकाने की कोशिश कर रही हैं, और इसी तरह का 'नाटक' हाल में यहां देखा गया था।

चंद्रशेखर ने टीएमसी से पूछा, धरने और नाटक का समय अब समाप्त हो गया है। अब असली सवालों के जवाब देने का समय है। पैसा कहां से आया?'' उन्होंने झारखंड, पंजाब, महाराष्ट्र और कर्नाटक सहित कई राज्यों में भाजपा के प्रतिद्वंद्वी दलों के नेताओं के कथित भ्रष्टाचार के मामलों पर प्रकाश डाला और दावा किया कि उनकी पार्टियां अपने गलत कामों को छुपाने के लिए इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र ने एजेंसियों को मजबूत किया है और उन्हें स्वतंत्र बनाया है। उन्होंने कहा कि ईडी ने विभिन्न मामलों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति का पता लगाया है। विपक्षी दल केंद्र पर राजनीतिक प्रतिशोध'' और राजनीतिक कारणों से जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते रहे हैं।

एसकेएम सरकार एक नई सोच व नये विचार के साथ सत्ता में आई है : पूर्णहांग सुब्बा

अनुगामिनी नि.सं.

गेजिंग, 23 जुलाई। अखिल सिक्किम सरकारी कर्मचारी संघ की मानेबुंग-देंताम शाखा की एक सभा आज देंताम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सभागार में सम्पन्न हुई। क्षेत्रीय प्रभारी पूर्णहांग सुब्बा की अध्यक्षता में हुई इस सभा में इलाके के सभी कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर देंताम महकमा अधिकारी एनके कार्की, सोरेंग महकमा अधिकारी दया राम बिष्ट, पंचायत प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष अशोक प्रधान के अलावा भारी संख्या में अन्य विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

संगठन के अनुसार सेवा की भावना के साथ राज्य की ग्रामीण जनता तक सहयोग पहुंचाने के उद्देश्य से गत 4 जून को मानेबुंग-देंताम सरकारी कर्मचारी संघर का गठन किया गया था। वर्तमान में संघ में कुल 2600 सरकारी कर्मचारी शामिल हैं।

इस अवसर संघ के अध्यक्ष निलेन लिम्बू ने कहा कि ग्रामीण इलाके के लोगों की सरकारी कर्मचारियों से काफी अपेक्षाएं रहती हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं के समाधान एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य के साथ ही संघ का गठन हुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, खेल, पशुपालन आदि विभिन्न विभागों में कार्यरत कर्मचारियों को अपने तरीके से काम करने की जरूरत बतायी।

वहीं अपने सम्बोधन में देंताम महकमा अधिकारी एनके कार्की ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों को अपना 99 प्रतिशत काम कर्मक्षेत्र में करने के साथ ही एक प्रतिशत कर्म सेवा समाज को दान में देनी चाहिए। सभा में नवगठित समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों को खादा पहना कर सम्मानित किया गया। वहीं इस दौरान विभिन्न विषयों पर खुली चर्चा भी हुई।

बाद में अपने वक्तव्य में अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय प्रभारी पूर्णहांग सुब्बा ने मानेबुंग-देंताम के नवगठित सरकारी कर्मचारी संघ की इस समन्वय सभा के आयोजन पर सभी को बधाई देते हुए ग्राम, समाज और क्षेत्र के विकास में सरकारी कर्मचारियों की बड़ी भूमिका होने की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में 'ए' से 'डी' ग्रेड के काफी सरकारी कर्मचारी हैं। ऐसे में हम सभी का यह जिम्मेवारी है कि अपने-अपने स्तर पर आमलोगों की सेवा करें।

सुब्बा ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार एक नई सोच एवं नये विचार के साथ सत्ता में आयी है। इस सरकार ने कर्मचारियों को पहले जैसे राजनीतिक संत्रास, भय, सत्ता के दबाव, पक्षपात एवं मनमानेपन से मुक्ति दिलाने का काम किया है। वहीं राज्य सरकार द्वारा नयी व्यवस्था के तहत कर्मचारियों की पद्दोन्नति के नियम बनाये गये हैं जिसमें अस्थायी कर्मचारियों की आठ वर्षों बाद स्थायीकरण की योजना शामिल है। वहीं इस सरकार की पहल पर न्यूनतम वेतन 15 हजार रुपये किया गया है। अब हमें भी पूर्ण निष्ठा के साथ काम करते हुए क्षेत्र की जनता एवं राज्य के सामने एक उदाहरण पेश करना होगा। सभा में सोरेंग महकमा अधिकारी दया राम बिष्ट, अतिरिक्त जिला विकास अधिकारी सुरत गुरुंग एवं अन्य वक्ताओं ने वक्तव्य रखा।

लोगों के पेट पर लात मारकर कमाई करना बंद करे सरकार : तेजस्वी

पटना, 23 जुलाई (का.सं.)। जीएसटी का मतलब है 'गूड्स एंड सर्विस टैक्स'। लेकिन अब लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल ने जीएसटी को नया नाम दिया है। राजद ने - गरीब - सबसे - तंग कहा है। यानी- जीएसडी मतलब गरीब सबसे तंग। राजद ने अपने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर लिखा है कि- 'चुपचाप महंगा अनाज, डीजल- पेट्रोल, गैस-तेल, सिलेंडर, दाल, फल-सब्जी, दूध-दही, पनीर- लस्सी और कफन खरीदते रहो। गलती से भी एक शब्द मुंह से मत निकाल देना वरना मुसलमानों का राज आ जाएगा। बड़ी मुश्किल से संघी, मुस्लिम देशों से 29 रुपए लीटर पेट्रोल खरीदकर 100 रुपए में हिन्दुओं को बेचकर हिंदुओं को खतरे से बाहर निकाल रहे हैं।' राजद ने इसे 'प्रो रिच और एंडी पूअर' कहा है।

राजद ने नरेंद्र मोदी की फोटो के साथ लिखा है - गोल्ड पर्चेज पर 3 फीसदी जीएसटी, डायमेंड पर 1.5 फीसदी जीएसटी लेकिन फूड ग्रेन पर 5 फीसदी जीएसटी। जीएसटी के खिलाफ राजद की मुहिम पर लोगों की भी तरह-तरह की प्रतिक्रिया आ रही है। अमित यदुवंशी ने जीएसटी को- 'गृहस्थी सर्वनाश टैक्स' नाम दिया है। बादशाह खान ने लिखा है- 'जनता अब हीरा और सोना खाएगी। हमारे देश में शिक्षा की बहुत कमी है, इसलिए अफीम के भाव शिक्षा कर दिया गया। न पढ़ेंगे ना सवाल करेंगे।'

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लिखा है कि नोटबंदी के बाद से बदहाल अर्थव्यवस्था, बेतहाशा महंगाई और रिकॉर्डतोड़ बेरोजगारी से देशवासी पहले ही जूझ रहे थे कि अब सरकार नने आजादी के बाद अतिआवश्यक खाद्य पदार्थों गेहूं, अनाज और कफन इत्यादि पर भी जीएसटी लगाकर गरीबी में आटा गीली करने जैसा क्रूर काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार दाम बढ़ाकर, राष्ट्र की संपत्ति बेचकर, निजीकरण कर, नौकरी छीनकर, लोगों की पेट पर लात मारकर कमाई करना बिल्कुल बंद करे।

भाजपा के प्रवक्ता प्रेमरंजन पटेल ने कहा कि अब गरीबों को मुफ्त में योजनाएं मिल रही हैं। गांव के गरीब, किसानों की इतनी चिंता कभी किसी सरकार ने नहीं की। जन्म से लेकर मरने तक की व्यवस्था कर रही है मोदी सरकार। अनाज, गैस, स्वास्थ्य बीमा सरकार दे रही है। एक ही व्यक्ति को कई बार टैक्स से राहत के लिए जीएसटी लाया गया। जीएसटी कमेटी समीक्षा के बाद ही कहीं बढ़ाती है कहीं घटाती है। एक ही वस्तु पर कई बार टैक्स से मुक्ति मिल गई।

केएफसी का सिग्नेचर चिकन पॉपकॉर्न कुरकुरे नाचोस से मिलता है

सिलीगुड़ी, 23 जुलाई। केएफसी का विशिष्ट स्वाद वाला चिकन पॉपकॉर्न, अंदर से कोमल लेकिन बाहर से अविश्वसनीय रूप से कुरकुरा को, कुरकुरे नाचोस के बिस्तर पर परोसा जाता है, और पूर्णता के लिए तैयार किया जाता है। केएफसी इंडिया पेश कर रहा है केएफसी पॉपकॉर्न नाचोस। कुरकुरे चिकन पॉपकॉर्न के साथ डोरिटोस नाचोस के कॉम्प्लिमेंट्री लेवर और टेक्सचर को एक साथ लाना, यह निस्संदेह नाचोस के साथ सबसे अच्छा संयोजन है। यह दो सॉस के साथ आता है - मसाला सालसा और चीसी हालापेनो। केएफसी प्रशंसकों के लिए यह नवीनतम पेशकश विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए त्रिकोणीय बॉक्स में परोसा जाता है, जो इस क्रंची एक्सपीरियंस के नाचो-नेस को डायल करता है। यह सभी केएफसी रेस्ट्रो में उपलब्ध है और वे इस उत्पाद का आनंद लेने के लिए डाइन-इन, टेकअवे और डिलीवरी की पेशकश करते हैं।

वास्तव में, जब डिलीवरी पर ऑर्डर किया जाता है, तो यह एक डीआईवाई तत्व के साथ आता है, जिसका अर्थ है कि ग्राहकों को यह चुनने का मौका मिलता है कि वे अपने केएफसी पॉपकॉर्न नाचोस का आनंद कैसे लेना चाहते हैं।

यह केएफसी के 5X सेटी प्रॉमिस ऑफ सेनिटाइजेशन, स्क्रीनिंग, सोशल डिस्टेंसिंग और वैक्सीनेटेड टीमों के साथ कॉन्टैक्टलेस सर्विस के साथ आता है। नवीनतम पॉपकॉर्न नाचोस और अन्य केएफसी फेवरेट्स को सभी नए सुविधाजनक केएफसी ऐप पर ऑर्डर किया जा सकता है, जो गूगल प्ले और ऐप स्टोर पर और साथ ही वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध है।

सैमसंग सॉल्व फॉर टुमारो एप्लिकेशन 31 जुलाई को बंद हो जाएगा

गंगटोक, 23 जुलाई। कस्बों, शहरों और ग्रामीण भारत के 10,000 से अधिक युवाओं ने सैमसंग के सॉल्व फॉर टुमारो इनोवेशन एंड एजुकेशन प्रोग्राम के लिए पहले ही पंजीकरण करा लिया है, जो भारतीय युवाओं में वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए नवीन टेक्नोलॉजिकल समाधान खोजने की बढ़ती इच्छा को प्रदर्शित करता है। रोड शो में सैमसंग ने बेंगलुरु, हैदराबाद, दिल्ली, गुवाहाटी और भुवनेश्वर जैसे शहरों में आयोजित किया, युवा छात्रों ने कहा कि वे रीसाइक्लिग के लिए कचरे के सुरक्षित संग्रह, दैनिक ग्रामीणों के लिए नौकरी की सुरक्षा, दूरस्थ क्षेत्रों के युवा छात्रों के लिए भाषा अवरोधों के आसपास की समस्याओं को हल करना चाहते हैं।

ई-लर्निंग, सैनिटरी नैपकिन का सुरक्षित निपटान, स्कूली छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य, कृषि अपशिष्ट के पुनरू उपयोग के साथ-साथ प्लास्टिक के पुनरू उपयोग के दौरान सामना करना होगा। पंजीकरण के बीच, 32 प्रतिशत युवा स्वास्थ्य देखभाल की समस्याओं को हल करना चाहते हैं, 28 प्रतिशत शिक्षा के आसपास की चुनौतियों से निपटना चाहते हैं, 24 प्रतिशत पर्यावरण के आसपास की समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, जबकि 16 प्रतिशत कृषि के मुद्दों को हल करना चाहते हैं। इसके बाद शीर्ष 50 टीमों का चयन किया जाएगा, जिन्हें आईआईटी दिल्ली में उद्योग के विशेषज्ञों और अन्य विशेषज्ञों द्वारा उनके विचारों को बढ़ाने में मदद करने के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा, साथ ही आईआईटी दिल्ली में एक बूट-कैंप, भागीदारी का प्रमाण पत्र और डिजाइन थिंकिंग, एसटीईएम, इनोवेशन, लीडरशिप आदि में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए आईएनआर 100,000 मूल्य के वाउचर भी शामिल होंगे।

शीर्ष 10 टीमों को सैमसंग इंडिया के कार्यालयों और इसके आरएंडडी सेंटर्स और बेंगलुरु में सैमसंग ओपेरा हाउस का दौरा करने का अवसर मिलेगा जहां वे सैमसंग के युवा कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के साथ बातचीत करेंगे। तीन विजेता टीमों को आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञ मार्गदर्शन में अपने विचारों को क्रियान्वित करने के लिए 1 करोड़ रुपये तक का मेगा सपोर्ट और छह महीने के लिए परामर्श समर्थन प्राप्त करने का मौका मिलता है। 16 से 22 वर्ष की आयु के युवा सॉल्व फॉर टुमारो के लिए आवेदन कर सकते हैं। सॉल्व फॉर टुमारो के लिए पंजीकरण 31 जुलाई, 2022 को शाम 5 बजे बंद हो जाएगा।

वरमोरा ग्रैनिटो की प्रीमियम सैनिटरीवेयर की विशेष रेंज

सिलीगुड़ी, 23 जुलाई। 'इनोवटिंग हैप्पीनेस' के आदर्श वाक्य के साथ, वरमोरा ग्रैनिटो प्राइवेट लिमिटेड - भारत के अग्रणी टाइल, सैनिटरीवेयर और बाथवेयर ब्रांड में से एक ने प्रीमियम सैनिटरीवेयर, नल, किचन सिंक, वॉटर हीटर और बाथवेयर एक्सेसरीज़ की एक विशेष श्रृंखला लॉन्च की है।

देश भर के 350 से अधिक डीलरों और डिस्ट्रीब्यूटर ने लॉन्च के लिए 12-13 जुलाई को उदयपुर, राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय लॉन्च और डीलर मीट में भाग लिया। कंपनी के पास वरमोरा ग्रुप के तहत संपूर्ण सैनिटरीवेयर और बाथरूम समाधान प्रदान करने और इसकी विशाल वितरण पहुंच और ब्रांड इक्विटी का लाभ उठाने का एक विजन है।

कंपनी ने नए डिजाइन और रंग में 50 से अधिक सैनिटरीवेयर उत्पाद, पूरी सीरीज में 15 नए नल मॉडल, नए आकार, डिजाइन और रंग में 12 किचन सिंक और 5 वॉटर हीटर लॉन्च किए।

नई रेंज का अनावरण श्री भावेश वरमोरा, चेयरमैन और श्री हिरेन वरमोरा, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा किया गया। कंपनी की गुजरात में 9 प्रोडक्शन यूनिट हैं जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 1.5 लाख वर्गमीटर प्रति दिन की टाइल और 4000 से अधिक प्रति दिन सेनेटरीवेयर है। इसके पूरे भारत में 325 कंपनी एक्सक्लूसिव शोरूम हैं और वैश्विक स्तर पर 15 शोरूम हैं।

वरमोरा ग्रुप के पास एक मजबूत ग्लोबल फुटप्रिंट है और 74 से अधिक देशों में एक्सपोर्ट करता है। कंपनी ने मोरबी में भारत का सबसे बड़ा सिंगल लोर 40,000 वर्ग फुट शोरूम स्थापित किया है जिसमें 4000+ डिज़ाइन, 300+ सुंदर मॉकअप और 150+ उत्तम दर्जे का सैनिटरीवेयर प्रदर्शित है। श्री भावेश वरमोरा ने कहा, कंपनी बाजार में लगातार नवीन और मूल्य वर्धित उत्पादों को पेश करके भारतीय सिरेमिक उद्योग में अग्रणी के रूप में अपनी पहचान को मजबूत करना चाहती है।

स्मृति ईरानी की बेटी गोवा में फर्जी लाइसेंस से कैफे एंड बार' चला रही हैं, मोदी तुरंत बर्खास्त करें: कांग्रेस

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की बर्खास्तगी की मांग करते हुए शनिवार को कहा कि उनकी बेटी अपनी मां के ओहदे का इस्तेमाल करके गोवा में फर्जी लाइसेंस से कैफे एंड बार' चला रही हैं। कांग्रेस संचार विभाग की प्रमुख जयराम रमेश, मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और महिला कांग्रेस अध्यक्ष नेटा डिसूजा ने आज यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सूचना के अधिकार-आरटीआई से खुलासा हुआ है कि ईरानी की पुत्री जोइश ईरानी ने गोवा में स्थित अपने सिली सोल्स कैफे एंड बार' के लिए फ़र्ज़ी दस्तावेज़ के ज़रिए बार लाइसेंस' जारी करवाया है।

डिसूजा ने कहा कि आरटीआई लगाने वाली वकील को सूचना मिली है कि गत 22 जून को बार के लाइसेंस के नवीनीकरण के लिए जिसएंथनी डीगामा'के नाम से आवेदन किया गया उनकी पिछले साल मई में ही मौत हो चुकी है और आरटीआई लगाने वाले वकील को इनका मृत्यु प्रमाण पत्र भी मिला है। एंथनी के आधार काडर् से पता चला है कि वह मुंबई के विले पार्ले के रहने वाले थे।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मामला विषय केंद्रीय मंत्री से जुड़ा है इसलिए सारे नियम ताक पर रख कर लाइसेंस जारी किया गया। गोवा की आबकारी नीति के मुताबिक राज्य में केवल मौजूदा रेस्टोरेंट को एक बार की शर्त पर सिर्फ एक लाइसेंस मिल सकता है लेकिन पिछले साल फरवरी में श्रीमती ईरानी के पारिवारिक रेस्टोरेंट को विदेशी शराब की खुदरा बिक्री के साथ ही भारत में निर्मित विदेशी और देशी शराब की खुदरा बिक्री के लिए भी लाइसेंस मिला। उन्होंने कहा कि दस्तावेजों से पता चला है कि बार लाइसेंस के लिए आवश्यक रेस्तरां लाइसेंस के बिना ही बार लाइसेंस जारी हुआ है।

इस संदर्भ में यह सूचना और चौकाने वाली है कि फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद भाजपा सरकार ने उत्पाद शुल्क आयुक्त नारायण गड को परेशान करने का खेल शुरू कर दिया।

उन्होंने ही केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी की बेटी द्वारा चलाए जा रहे इस अवैध बार और रेस्तरां को कारण बताओ नोटिस भेजा था। कांग्रेस नेताओं ने ईरानी से सवाल किया कि वह बताएं कि यह धांधली किसके इशारे पर हुई है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को लेकर तरह-तरह के सवाल पूछने वाली श्रीमती ईरानी आज अपने परिवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप पर चुप क्यों हैं?

असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी ने 5 करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप की घोषणा की

थिम्फू (भूटान), 23 जुलाई। पहली बार, असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी (एडीटीयू), पूर्वोत्तर भारत के सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट-ड्रिवन यूनिवर्सिटी ने अपने अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज में भूटान, नेपाल और बांग्लादेश के छात्रों के लिए अपने ऑनलाइन कॉमन स्कॉलरशिप टेस्ट की घोषणा की है। स्कॉलरशिप का मूल्य 5 करोड़ रुपये तक होगा। 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्रदान करने की पहल उन देशों के लिए सुलभ और सस्ती गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने की खाई को पाट देगी।

भूटान के लिए ऑनलाइन स्कॉलरशिप परीक्षा के लिए मुत पंजीकरण की अंतिम तिथि 28 जुलाई है और ऑनलाइन कॉमन स्कॉलरशिप टेस्ट 30 जुलाई को है। उल्लेखनीय है कि भूटान, नेपाल और बांग्लादेश के सैकड़ों छात्र वर्तमान में एडीटीयू में अध्ययन कर रहे हैं। इस फेलोशिप प्रोग्राम के तहत टॉप 100 छात्र टेस्ट में खुद लाभ उठाएंगे। कोर्स पूरा होने तक लाभ जारी रहेगा। एक छोटी अवधि के भीतर, एडीटीयू विभिन्न विषयों में पीएचडी की पेशकश करते हुए, सीखने और अनुसंधान के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।

न केवल पूर्वोत्तर क्षेत्र और अन्य राज्यों के छात्र यहां अध्ययन करने आते हैं, बल्कि भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, नाइजीरिया और रवांडा के छात्रों ने भी अपने उच्च अध्ययन के लिए यूनिवर्सिटी को चुना है। यूनिवर्सिटी का प्लेसमेंट सेल बहुराष्ट्रीय और राष्ट्रीय निगमों और अमेजन, बाईजुस, विप्रो, टीसीएस, कॉग्निजेंट, कैपजेमिनी, आईबीएम, एचसीएल, एक्सीनचर, पीएंडजी, सिप्ला, नेस्ले, एचपी, जेनपैक्ट, अपोलो ग्रुप, निमहंस, ताज चेन्नई, लेमन ट्री ग्रुप ऑफ होटल्स और रैडिसन ग्रुप जैसी फर्मस के सहयोग से कैंपस प्लेसमेंट और बाहरी नौकरी चाहने वालों के लिए एक वार्षिक जॉब फेयर आयोजित करता है।

मनीष सिसोदिया के आवास के बाहर बीजेपी का विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। दिल्ली बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के आवास के बाहर सरकार की नई आबकारी नीति का विरोध प्रदर्शन किया। वहीं पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है।

बता दें कि इससे पहले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को बेहद ईमानदार ''व्यक्ति बताते हुए कहा कि उन्हें केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा झूठे मामले'' में फंसाया जाएगा और कुछ दिनों में गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार की आबकारी नीति 2021-22 में नियमों के कथित उल्लंघन तथा प्रक्रियागत खामियों को लेकर इसकी सीबीआई से जांच कराए जाने की सिफारिश की है। सिसोदिया दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग के प्रमुख हैं।

इस मामले को लेकर केजरीवाल ने कहा कि सिसोदिया को मैं 22 साल से जानता हूं। इस मामले में लेशमात्र भी सच्चाई नहीं है। उन्होंने कहा कि अदालत के समक्ष यह मामला टिक नहीं पाएगा। मनीष बेहद ईमानदार व्यक्ति हैं और वह पाक साफ साबित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के नेता जेल जाने से नहीं डरते, क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है।

पार्टियों को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए : रामनाथ कोविंद

राजेश अलख

नई दिल्ली, 23 जुलाई । निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को नागरिकों से विरोध व्यक्त करने और अपनी मांगों को आगे बढ़ाने के लिए गांधीवादी तरीकों को अपनाने की अपील की। उन्होंने राजनीतिक दलों से राष्ट्रीय हित में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर लोगों के कल्याण के लिए जरूरी चीजों पर गंभीरता पूर्वक विचार करने का आह्वान किया।

संसद के सेंट्रल हॉल में अपने विदाई भाषण में सांसदों को संबोधित करते हुए कोविंद ने भारतीय संसदीय प्रणाली की तुलना एक बड़े परिवार से की और सभी ''पारिवारिक मतभेदों'' को हल करने के लिए शांति, सद्भाव और संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अपना विरोध व्यक्त करने और अपनी मांगों के समर्थन में दबाव बनाने का नागरिकों को संवैधानिक अधिकार है, लेकिन उन्हें (नागरिकों को) गांधीवादी तरीकों को अपनाकर अपने अधिकारों का शांतिपूर्वक उपयोग करना चाहिए।

कोविंद ने राजनीतिक दलों को अपने संदेश में कहा, जैसा कि किसी भी परिवार में होता है, संसद में कभी-कभी मतभेद होते हैं और विभिन्न राजनीतिक दलों के अलग-अलग विचार हो सकते हैं। लेकिन हम सभी इस संसदीय परिवार के सदस्य हैं जिनकी सर्वोच्चा प्राथमिकता निरंतर राष्ट्र हित में काम करने की होनी चाहिए।'' उनकी टिप्पणी ऐसे समय में काफी मायने रखती है, जब कई मुद्दों पर विपक्ष के विरोध के कारण संसद की कार्यवाही अक्सर बाधित हो रही है। देश के अलग-अलग हिस्सों में भी हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि कोरोना काल के दौरान जो हमने आपदा देखी उससे हमने बहुत कुछ सीखा है। इस सीख को हमेशा अपने जेहन में रखना और इसी के साथ आगे बढ़ना है। कोविंद ने कहा कि जब वो बच्चे थे तो मिट्टी के कच्चे मकान में रहकर पढ़ाई करते थे। ऊपर छत से पानी टपकता रहता था मगर आज बच्चों के पास पहले से बहुत बेहतर सुविधाएं हैं।

निवर्तमान राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि राजनीतिक दलों और लोगों के पास अपना विरोध व्यक्त करने के लिए कई संवैधानिक तरीके हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने दूसरे पक्ष का सम्मान करते हुए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शांति और अहिंसा का उपयोग किया था। कोविंद ने कहा कि राजनीतिक दलों की अपनी प्रणाली और राजनीतिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, राजनीतिक दलों को दलगत राजनीति से ऊपर उठना चाहिए और इस बात पर विचार करना चाहिए कि नागरिकों के विकास और कल्याण के लिए क्या आवश्यक है।''

कोविंद के विदाई समारोह में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला तथा कई सांसद शामिल हुए। कोविंद ने कहा कि 'स्वच्छ भारत' के ''परिवर्तनकारी'' परिणाम हुए हैं। उन्होंने इसे सरकार और नागरिकों की ओर से महात्मा गांधी को सच्ची श्रद्धांजलि बताया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा खुद को बड़े परिवार का हिस्सा मानते हैं, जिसमें संसद के सदस्य भी शामिल हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि पर्यावरण के प्रति लोगों को ईमानदार होना पड़ेगा, ये कोई एक व्यक्ति की समस्या नहीं है इससे हम सब प्रभावित होंगे।

बृहस्पतिवार को देश की राष्ट्रपति निर्वाचित हुईं द्रौपदी मुर्मू सोमवार को 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगी। वह देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आसीन होने वाली पहली आदिवासी होंगी। कोविंद ने मुर्मू को शुभकामनाएं दीं और कहा कि उनके मार्गदर्शन से देश को फायदा होगा। उन्होंने 18 महीनों में कोविड टीके की 200 करोड़ से अधिक खुराक दिये जाने और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन वितरित करने के सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने का अवसर देने के लिए मैं देश के नागरिकों का सदा आभारी रहूंगा।

ललन सिंह ने विधायकों से की वन-टू-वन मुलाकात, पार्टी को मजबूत करने के लिए मांगे सुझाव

पटना, 23 जुलाई (का.सं.)। जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पार्टी के विधायकों से वन-टू-वन मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विधायकों से पार्टी को मजबूत करने के सुझाव मांगे। इस बैठक में विधायक तो पहुंचे ही साथ में पूर्व मंत्री भी पहुंचे हैं।

बैठक के दौरान ललन सिंह ने विधायकों से पूछा कि आखिर पार्टी की जड़ें मजबूत किस तरीके से की जाए। इस पर विधायकों ने कहा कि जिला प्रखंड, राज्य स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की जरूरत है। महिला विधायक ने भी सुझाव दिए हैं कि किस तरीके से महिलाओं को पार्टी से जोड़ा जाए और वोटरों को बढ़ाया जाए।

ललन सिंह ने कहा है कि पार्टी एकजुट रहे और मजबूती से चले यह सबसे बड़ी बात होती है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और अध्यक्ष शहंशाह नहीं होता।

संगठन का विस्तार सभी के सहमति से होता है। सभी प्रकोष्ठ बेहतर होंगे तो पार्टी बेहतर चलेगी। संगठन व प्रकोष्ठ को मजबूत करने के लिए सभी के साथ बातचीत होगी।

विधायकों की बैठक पर पूर्व मंत्री नरेंद्र नारायण यादव ने कहा कि हम लोगों से राय ली गई है किस तरीके से दल को जिलों में मजबूत किया जा रहा है। पार्टी को दस रेवेन्यू गावों से जोड़ना है।

दिल पर पत्थर रखकर शिंदे को बनाया सीएम, ताकि सरकार स्थिर रहे : चंद्रकांत पाटिल

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र भाजपा को एकनाथ शिंदे के सीएम बनने का दुख है। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने राज्य कार्यकारिणी की बैठक में खुलकर यह बात कही है। उन्होंने कहा कि सरकार को स्थिर करने के लिए दिल पर पत्थर रखकर शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया है।

चंद्रकांत पाटिल ने रायगढ़ जिले के पनवेल में हुई पार्टी की बैठक के दौरान यह बात कही है। नई सरकार बनने के बाद यह पहला विरोध की ओर इशारा करता बयान आया है।

चंद्रकांत पाटिल ने कहा कि सही मैसेज देने और हम जो कुछ भी कर रहे हैं उसमें स्थिरता लाने के लिए हमने मन पर पत्थर रखकर देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय नेतृत्व ने निर्णय लिया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे होंगे। हमें दुख हुआ।

उधर डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि चंद्रकांत पाटिल के बयान को तोड़ कर दिखाया, उसका गलत अर्थ बताया गया। हमारी पार्टी कोई प्राइवेट लिमिटेड पार्टी नही है, ये विचारों की पार्टी है, बीजेपी त्याग करने वाली पार्टी है। हमें अच्छा लगा कि एकनाथ शिंदे 24 घंटे काम करने वाले नेता हैं।

उधर, महाराष्ट्र की नई सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी देरी हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, विभागों में बंटवारे को लेकर एक राय नहीं बन पा रही है। इसके लिए दोनों नेता सीएम एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस दिल्ली दौरे पर हैं, यहां मंत्रियों की सूची पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की मुहर लगनी है।

बीती 30 जून को शिवसेना से बागी हुए एकनाथ शिंदे ने सीएम पद की और देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली थी। माना जा रहा था कि देवेंद्र फडणवीस सीएम बनेंगे। लेकिन डिप्टी सीएम बनने की बात ने सभी को हैरान कर दिया था।

लिंगचोम नारी शक्ति ....

भी किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि प्राचार्य यांग्देन सिक्मो ने अपने वक्तव्य में नारी मुक्ति एवं सशक्तिकरण हेतु सामाजिक क्षेत्र में महिलाओं की अहम भूमिका एवं योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सिक्किम में बढ़ रही नारी तस्करी एवं महिलाओं से सम्बंधित अन्य अपराधों की रोकथाम में संगठन ने उल्लेखनीय भूमिका का पालन किया है। साथ ही उन्होंने संगठन सदस्यों को नारी उत्पीड़न एवं दमन की घटनाओं पर निगरानी रखने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि पुरुष प्रधान समाज में लड़कियों को सही शिक्षा व संस्कार देकर उन्हें अव्वल बनाने में हम सभी की भूमिका है। वहीं इस दौरान उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में नारियों के हित में किये जा रहे कार्यों के लिये संगठन की प्रशंसा की।

खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाने के फैसले को चिराग ने बताया दुर्भाग्यपूर्ण, कहा- आम जनता को झेलनी पड़ रही परेशानी

मुजफ्फरपुर, 23 जुलाई (नि. सं.)। केंद्र सरकार द्वारा दाल चावल आटा गेहूं समेत अन्य सामग्रियों पर 5 प्रतिशत का जीएसटी लगाया गया है, जिससे खाने-पीने की चीजें महंगी हो गई हैं। वहीं बिहार लोजपा के प्रमुख सह सांसद चिराग पासवान ने केंद्र सरकार से इस फैसले पर कहा कृषि प्रधान देश में अब दूध, दही घी मक्खन आदि खाद्य सामग्रियों पर आम लोगों से टैक्स लिया जा रहा है यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है।

चिराग ने कहा कि एक तरफ महंगाई आसमान छू रही है, डीजल पेट्रोल के मूल्यों में वृद्धि से ट्रांसपोर्टिंग पहले से महंगा है तो दूसरी और रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोगी खाद्य पदार्थों पर टैक्स लगाने से मध्यमवर्ग और गरीब आम जनता को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस पर पुनर्विचार करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि बिहार के कई जिलों में धान की रोपाई नहीं हो सकी है, जिससे किसानों के खेतों में दरारें पड़ चुकी है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि जिन जिलों में बरसात अनुपात से कम हुई है, उन जिलों में राज्यस्तरीय कमेटी बनाकर सर्वेक्षण की जाए और यथाशीघ्र उन जिलों को सुखाड़ घोषित किया जाए।

वही, दूसरी तरफ कांटी में बिजली संकट को लेकर स्थानीय युवाओं ने चिराग को बताया कि कांटी में एनटीपीसी होने के बावजूद यहां 5-6 घंटे ही बिजली आपूर्ति मिलती है। गर्मी के मौसम में कांटी वासियों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसके अलावा युवाओं ने बताया कि एनटीपीसी डैम से निकलने वाली छाई के डस्ट के कारण स्थानीय लोगों के साथ साथ राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस पर चिराग पासवान ने कहा कि जल्द ही कांटी एनटीपीसी के अधिकारियों से इस विषय में वार्ता करेंगे।

'बड़े साहब' की तरह चुपके से शराब का आनंद लें : मांझी

पटना, 23 जुलाई (का.सं.)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने शनिवार को राज्य के गरीबों को सलाह दी कि वे शराब पीने की कला अमीर लोगों से सीखें, जो नशा के बाद हंगामा नहीं करते और चुपचाप सो जाते हैं।

बिहार में शराबबंदी लागू है। मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा राज्य के सत्तारूढ़ गठबंधन में भागीदार है। मांझी ने पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। मांझी ने एक शराबी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में मीडिया में आई खबरों का जिक्र करते हुए कहा, अनर्थ हो रहा है। मामले में एक व्यक्ति काम के बाद शराब पीकर सड़क किनारे बैठकर हंगामा कर रहा था तभी पुलिस वहां पहुंच जाती है। सांस की जांच के बाद उस व्यक्ति को जेल भेज दिया गया।

मांझी ने कहा कि एक या दो पैग लेने में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा, उन्हें बड़े साहबों का अनुकरण करना चाहिए जो चुपचाप रात में कुछ घूंट का आनंद लेते हैं और सो जाते हैं। इसलिए, कभी पकड़े नहीं जाते। मांझी ने चिकित्सकीय आधार पर सीमित मात्रा में शराब के फायदे बताने वाले अखबार के लेखों का भी हवाला दिया।

बिहार में अप्रैल 2016 से शराब की बिक्री और खपत पर प्रतिबंध है। विधानसभा चुनावों के दौरान राज्य की महिलाओं से नीतीश कुमार के वादे के बाद प्रतिबंध का यह कदम उठाया गया था।

मांझी के बेटे संतोष सुमन राज्य के मंत्री हैं। मांझी ने कहा, गरीब, मजदूर चाहे वे किसी भी जाति, धर्म के हों, दिनभर कठिन मेहनत के बाद आराम चाहते हैं। लेकिन पीने के बाद हंगामा के कारण वे बदनाम हैं। अगर वे सही से पीना सीख जाएं और संयमित रहें तो कोई परेशानी नहीं होगी। राज्य के कई नेता दबी जुबान से शराबबंदी के कारण असुविधा की बात कहते हैं हालांकि मांझी जैसे कुछ ही नेता हैं जो सरेआम ऐसे सवालों पर अपनी राय जाहिर करते रहे हैं। मुख्यमंत्री कुमार कह चुके हैं कि जब तक वह पद पर रहेंगे शराबबंदी कानून रहेगा और जिन लोगों या बाहर से आने वालों को इस कानून से असुविधा होती है उन्हें या तो आदत बदल लेनी चाहिए या राज्य आने से परहेज करना चाहिए।

राष्ट्रपति चुनाव में क्रॉस वोटिंग तेजस्वी के खिलाफ रोष का संकेत : संजय जायसवाल

पटना, 23 जुलाई (का.सं.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने दावा किया कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ नाराजगी' राष्ट्रपति चुनाव में सामने आ गई, जब द्रौपदी मुर्मू को राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास मौजूद वोटों से अधिक संख्या में वोट मिले।

संजय जायसवाल ने यादव का नाम लिए बगैर आरोप लगाया कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता अपने समर्थकों खासतौर से अपनी जाति के समर्थकों के साथ जागीरदार' की तरह बर्ताव कर रहे हैं। भाजपा नेता ने शुक्रवार को कहा, विधानसभा में हमारा संख्या बल 125 था, क्योंकि हमारा एक विधायक मतदान नहीं कर सका। हालांकि, मुर्मू के पक्ष में 133 सदस्यों ने वोट डाला। यह बड़े पैमाने पर क्रॉस-वोटिंग का सबूत है।'' उन्होंने कहा कि यह विपक्षी खेमे में उसके नेता के खिलाफ रोष के कारण हुआ, जो अपने सभी समर्थकों को अपना हलवाहा, चरवाहा' मानते हैं।

तेजस्वी के हाल ही में किए गए दावे कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कभी राजद में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, जायसवाल ने कहा, वह यादव समुदाय के किसी भी सदस्य को अपने दम पर खड़ा होने नहीं दे सकते।'' लोकसभा सांसद जायसवाल ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा में राजद की ताकत दिखाने के लिए भी तेजस्वी पर तंज कसा। उन्होंने कहा, हमारे पास कई नेता हैं, जो उनसे कहीं ज्यादा अनुभवी और सक्षम हैं। लेकिन उनमें महज इसलिए हमें नीचा दिखाने का उतावलापन है कि उन्होंने 75 सीटें जीती हैं, जबकि 150 से अधिक सीटों पर उन्होंने चुनाव लड़ा था। हमने केवल 110 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 74 सीटें जीतीं।''

नहीं टिकेगी शिंदे सरकार, महाराष्ट्र में जल्द होंगे चुनाव : आदित्य ठाकरे

मुंबई, 23 जुलाई (एजेन्सी)। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने शनिवार को दावा किया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही गिर जाएगी और महाराष्ट्र में मध्यावधि चुनाव होंगे। अपनी 'शिव संवाद यात्रा' के तीसरे दिन यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा के सामने बोलते हुए, उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना के बागी विधायकों ने उनके पिता, तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को धोखा दिया, जब वह अस्वस्थ थे।

पैठन शिवसेना विधायक और पूर्व मंत्री संदीपन भुमरे का विधानसभा क्षेत्र है, जो मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी शिवसेना गुट में शामिल हो गए हैं पर आदित्य ठाकरे ने कहा, 'मेरे शब्दों को मार्क कर लें.. यह सरकार जल्द ही गिर जाएगी और महाराष्ट्र को मध्यावधि चुनाव का सामना करना पड़ेगा।'

सिवसेना के बागी नेता संदीपन भुमरे के इस दावे को खारिज करते हुए कि पिछली शिवसेना-राकांपा-कांग्रेस सरकार में शिवसेना के मंत्रियों को धन नहीं मिला, आदित्य ठाकरे ने कहा कि पैठण क्षेत्र को मराठवाड़ा जल-ग्रिड परियोजना के तहत पहली योजना मिली। उन्होंने कहा, 'भूमरे को पांच बार विधानसभा का टिकट दिया गया था। जब मैंने सोचा कि हमने इन लोगों के लिए जो कुछ किया है, तो मेरी आंखों में आंसू आ गए। लेकिन यह रोने का समय नहीं है, यह लड़ने का समय है।'

शिवसेना नेता ने कहा कि राज्य को पिछले एक पखवाड़े में बारिश का सामना करना पड़ा और कई लोगों की जान चली गई, लेकिन इनका (शिंदे सरकार) का लोगों को बचाने के बजाय शिवसेना को तोड़ने में ज्यादा ध्यान है। आदित्य ठाकरे ने 40 बागी विधायकों को 'देशद्रोही' कहा, जिन्होंने शिवसेना को विभाजित करने की साजिश रची थी जब उनके पिता अस्वस्थ थे और कोरोनोवायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व कर रहे थे।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR OSTRICH EVENING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:186 DrawDate on:23/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 55G 15970
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 15970 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01422 04692 04945 09302 15520 22137 55060 91787 93269 93332
3rd Prize ₹450/-
2160 2226 3500 4557 5786 5861 7928 9155 9750 9914
4th Prize ₹250/-
0147 1648 3495 3808 4422 4501 5526 6118 7322 9606
5th Prize ₹120/-
0231 0608 0853 0905 1232 1262 1349 1394 1439 1921
1946 1989 2005 2024 2373 2418 2634 2777 2796 2960
3001 3233 3311 3448 3591 3864 3907 3953 3957 4023
4069 4122 4145 4232 4234 4253 4325 4487 4560 4589
4600 4710 4766 4930 4959 4965 5028 5034 5056 5148
5280 5482 5582 5671 5772 5991 6159 6195 6417 6469
6488 6493 6517 6557 6600 6607 6641 6685 6875 7014
7167 7174 7283 7311 7345 7367 7591 7661 7770 7778
7787 7862 7941 8248 8376 8602 8684 8742 8759 9019
9048 9322 9381 9393 9582 9596 9625 9676 9801 9906
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR MARS SATURDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:86 DrawDate on:23/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 94L 64934
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 64934 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
09769 15135 27095 51955 53444 71370 78336 78626 89127 96584
3rd Prize ₹450/-
0018 0342 1116 2348 4444 5243 7686 8483 8751 9428
4th Prize ₹250/-
1592 2810 3285 4061 4328 6862 7098 7132 7626 9017
5th Prize ₹120/-
0050 0237 0423 0442 0446 0485 0676 0705 0713 0820
1016 1052 1132 1269 1317 1333 1338 1499 1513 1543
1645 1702 1754 1760 1870 1933 1944 1999 2012 2341
2402 2414 2419 2507 2602 2632 2648 2893 2992 3003
3238 3254 3286 3821 3900 4158 4332 4654 4842 5083
5087 5257 5364 5438 5576 5761 5784 5788 5935 6104
6163 6284 6293 6356 6385 6416 6427 6449 6599 6674
6842 6967 6985 7010 7141 7308 7444 7457 8014 8022
8130 8144 8202 8461 8569 8692 8742 8891 8921 9035
9147 9206 9208 9216 9522 9578 9608 9876 9903 9966
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR KOSAI MORNING
SATURDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:86 DrawDate on:23/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 93K 73190
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 73190 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
19651 31511 39153 41657 50819 59938 67441 71895 86127 99170
3rd Prize ₹450/-
0278 3451 4233 5142 5777 5940 7225 8433 8991 9098
4th Prize ₹250/-
0546 1916 2825 2869 4128 5389 5483 7024 8179 8309
5th Prize ₹120/-
0222 0288 0392 0488 0605 0859 0935 1206 1284 1356
1507 1509 1546 1669 1715 1728 1798 1975 2026 2178
2222 2277 2441 2510 2544 2621 2625 2920 2934 2944
3102 3287 3363 3372 3765 3818 3980 4029 4197 4337
4352 4387 4521 4580 4645 4693 4776 4797 4903 4963
5001 5313 5685 5700 5803 5927 6013 6099 6204 6230
6242 6454 6754 6794 6840 6856 7111 7121 7184 7327
7360 7433 7483 7627 7662 7981 8001 8230 8375 8388
8634 8796 8919 9010 9076 9109 9187 9192 9262 9267
9326 9524 9670 9785 9811 9820 9832 9859 9907 9990
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

अबॉर्शन का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में गुरुवार को कहा कि अविवाहित लड़कियों को भी गर्भपात का अधिकार है। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि किसी को सिर्फ इस आधार पर गर्भपात के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता कि वह शादीशुदा नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जिस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया, वह इस बात का सबूत है कि आज भी समाज के अलग-अलग हिस्सों में विवाह पूर्व सेक्स संबंध बनाए जाने को लेकर कितने पूर्वाग्रह हैं। 24वें हफ्ते के गर्भ से गुजर रही इस लड़की के माता-पिता खेती से जुड़े हैं। उसका पार्टनर शादी करने से इनकार कर चुका है।

पांच भाई बहनों में एक, यह लड़की सिंगल मदर के रूप में बच्चे का पालन-पोषण करने में खुद को असमर्थ पा रही है। ऐसे में वह बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती। बावजूद इसके हाईकोर्ट में उसकी याचिका इस आधार पर खारिज हो गई कि वह शादीशुदा नहीं है और एमटीपी (मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी) रूल्स 2003 के मुताबिक 20 हफ्ते से ज्यादा हो जाने के बाद जिन खास मामलों में गर्भपात की इजाजत दी जा सकती है उनमें अविवाहित लड़कियों के केस शामिल नहीं हैं। मगर सुप्रीम कोर्ट ने आधुनिक और प्रोग्रेसिव रुख अपनाते हुए कानून की उदार व्याख्या करने की जरूरत समझी।

शीर्ष अदालत ने ध्यान दिलाया कि इसी कानून के 2021 में संशोधित प्रावधानों में पति के बजाय पार्टनर शब्द का इस्तेमाल किया गया है, जिसका मतलब यह है कि कानून निर्माता इसके प्रावधानों को शादीशुदा रिश्तों तक सीमित रखने के हक में नहीं थे। वैसे भी स्त्री-पुरुष संबंधों को लेकर समाज की सोच तेजी से बदल रही है। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि खुद सुप्रीम कोर्ट लिव इन रिलेशन को मान्यता दे चुका है। ऐसे में कोई कारण नहीं कि कानून की संकीर्ण व्याख्या करते हुए किसी महिला के निजी स्पेस में दखल दिया जाए।

हर महिला का उसके शरीर पर पूरा अधिकार होता है। गर्भ रखने या बच्चे को जन्म देने से संबंधित फैसले संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उसे मिले पर्सनल लिबर्टी के अधिकार का अभिन्न हिस्सा हैं। जाहिर है, किसी महिला को सिर्फ इसलिए गर्भ रखने या बच्चे को जन्म देने के लिए विवश करना कि वह शादीशुदा नहीं है, उसके साथ ज्यादती है। सुप्रीम कोर्ट ने ठीक ही आदेश दिया कि अगर विशेषज्ञों की समिति कह देती है कि अबॉर्शन से उस महिला के जीवन को खतरा नहीं है तो उसे इस विकल्प को चुनने से नहीं रोका जा सकता। उम्मीद करें कि शीर्ष अदालत का यह फैसला हमारी अदालतों को ऐसे तमाम मामलों में उदार और प्रगतिशील रुख अपनाने को प्रेरित करेगा।

संपादकीय पृष्ठ

भारत को अमेरिकी छूट का मतलब

मारूफ रजा

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में भारत को रूसी एस-400 वायु रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए विशेष छूट देने के एक विधायी संशोधन पर सर्वसम्मत समर्थन भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के बाद सबसे महत्वपूर्ण माना जा सकता है। लेकिन जानकार पर्यवेक्षकों के लिए यह कोई हैरानी की बात नहीं है। निश्चित रूप से एस-400 खरीदने का मामला कुछ वर्षों से बहस में है, क्योंकि अमेरिकी हथियार उद्योग की शह पर रूस विरोधी तत्वों द्वारा भारत पर प्रतिबंध लगाने की धमकियों के बावजूद नई दिल्ली ने मास्को के साथ 5.4 अरब डॉलर के रक्षा सौदे को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। और यह सब यूक्रेन पर आक्रमण के बाद अमेरिका द्वारा रूस पर व्यापक प्रतिबंध लगाने से पहले हुआ था।

एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली भारत के रक्षा बलों के लिए क्यों जरूरी है? इसका पहला कारण तो यह है कि यह रक्षा प्रणाली चीन के पास है, जिसने पहले ही भारत-चीन सीमा पर इसे तैनात कर दिया है। दूसरी बात, वैश्विक बाजार में तुलनात्मक रूप से रूसी कीमत पर ऐसी प्रणाली उपलब्ध नहीं है और अमेरिका ने अब तक भारत को ऐसी रक्षा प्रणाली की पेशकश नहीं की है, जो रूसी प्रणाली की बराबरी कर सके। चीन या चीन-पाकिस्तान गठजोड़ द्वारा हवाई या मिसाइल हमलों से रक्षा की दृष्टि से यह प्रणाली शायद भारत के लिए सबसे अच्छा है।

संक्षेप में, यह शायद दुनिया की सबसे उन्नत वायु रक्षा प्रणाली है। एस-400 एक वाहन आधारित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली है, जो एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकती है। एक बार जब इसे लॉन्च किया जाता है, तो यह 400 किलोमीटर तक मार कर सकती है। और ऐसा करते समय यह अपनी 48 एन 6 मिसाइल शृंखला, सभी प्रकार की क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, स्टील्थ लड़ाकू विमानों, बमवर्षकों और यूएवी के साथ एक साथ जुड़ सकती है।

भारत ने 2018 में एस-400 प्रणाली के लिए सौदा पक्का कर लिया था। अमेरिका नहीं चाहता कि बहुत से देश इस घातक रूसी वायु रक्षा प्रणाली को खरीदें, इसलिए इसके खरीदारों को सीएएटीएसए (काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज़ थ्रू सैंक्शंस ऐक्ट) प्रतिबंधों की धमकी दी गई। अमेरिका ने सीएएटीएसए को वर्ष 2017 में लागू किया था, जिसके तहत रूस, ईरान और उत्तर कोरिया से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण करने वाले देशों पर अमेरिका प्रतिबंध लगा सकता है।

वर्ष 2014 में रूस द्वारा क्रीमिया (जो तब यूक्रेन का हिस्सा था) पर हमला और फिर कब्जे ने अमेरिका को सीएएटीएसए के जरिये रूसी प्रौद्योगिकियों, हथियारों की बिक्री को सीमित करने के लिए प्रेरित किया था। इसलिए अमेरिका ने नाटो सहयोगी, तुर्की के खिलाफ 2020 में सीएएटीएसए लागू किया, जब अंकारा ने रूस की एस-400 प्रणाली खरीदी। लेकिन अमेरिका ने चीन को दंडित नहीं किया, जो अब भी रूस का करीबी है, क्योंकि अमेरिका के चीन के साथ व्यापक व्यापारिक संबंध हैं।

अमेरिका ने यह तर्क दिया कि सीएएटीएसए अनिवार्य रूप से रूस-विरोधी है। सवाल है कि क्या अमेरिका भारत के साथ भी वैसा ही कर सकता है, जैसा उसने नाटो सहयोगी तुर्की के साथ किया था। इसका जवाब है-नहीं, क्योंकि अमेरिकी नीति-निर्माता भारत को एक प्रमुख रक्षा भागीदार, क्वाड का सदस्य और अब आई2यू2 में रणनीतिक भागीदारी के साथ चीन के खिलाफ अग्रिम पंक्ति के देश और एशिया में अपने भू-रणनीतिक एजेंडे के प्रमुख के तौर पर देखते हैं।

इसके अलावा, अमेरिका में यह समझ तेजी से बढ़ रही है कि कम से कम अभी भारत को रूस के साथ जुड़ने की जरूरत क्यों है। ऐतिहासिक कारणों से, भारत की रक्षा उपकरणों की सूची में अब भी 60 से 70 प्रतिशत चीजें रूस निर्मित हैं। कुछ आकलनों में इसे 85 प्रतिशत तक बताया जाता है। इस प्रकार ह्वाइट हाउस में या अमेरिकी नीति निर्माताओं के बीच किसी सख्त रवैया अपनाने वालों का मुकाबला करने लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम (एनडीएए) में संशोधन को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में एक विशेष संशोधन को सर्वसम्मति से समर्थन मिला, ताकि रूस की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली खरीदने के लिए भारत को छूट दी जा सके।

इस संशोधन की पहल भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने की थी। इसका उद्देश्य राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए भारत को छूट देना आसान बनाना था, क्योंकि सिर्फ अमेरिकी राष्ट्रपति ही भारत के खिलाफ प्रतिबंधों को रोक सकते हैं। खन्ना ने इसके पीछे तर्क दिया कि चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए भारत को स्वयं मजबूत होना जरूरी है। दक्षिण एशिया में चीन के क्षेत्रीय विस्तार के खिलाफ अमेरिका को आज जिस बांध की जरूरत है, वह भारत है।

अभी चीन के बाद भारत रूसी सैन्य प्रणाली का सबसे बड़ा आयातक है। लेकिन, यह छूट अमेरिकी हथियार उद्योगों को भारत को अन्य हथियार बेचने का अवसर प्रदान करेगी, क्योंकि भारत अब भी दुनिया के सबसे बड़े हथियार खरीदारों में से एक है। पिछले एक दशक में भारत ने 20 अरब डॉलर से अधिक मूल्य के अमेरिकी सैन्य हथियार खरीदे हैं। लेकिन भारत को हथियारों के निर्यात और भारत में रक्षा हथियारों के सह-निर्माण के मामले में अब भी अमेरिका रूस से पीछे है।

भारत के पास ज्यादातर रक्षा उपकरण रूसी हैं। इसे चरणबद्ध तरीके से हटाने में कई दशक लगेंगे। भारत के पास रूसी आपूर्ति खोले रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसके अलावा, भारतीय सैनिकों ने रूसी हार्डवेयर को पश्चिमी उपकरणों की तुलना में प्रभावी और कम जटिल पाया है। वे सस्ते भी हैं। रूस ने भारत को एक पनडुब्बी पट्टे पर भी दिया है, जिसे भारत युद्ध और शांति काल में उपयोग कर सकता है, यह विकल्प अमेरिका सहित कोई भी देश भारत को नहीं देता है। भारत-रूस रक्षा संयुक्त परियोजना काफी सफल रही है, जिसने ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया है।

इससे बीजिंग घबरा गया है और इसने भारत की देसी विनिर्माण क्षमता को मजबूत किया है। बड़ा सवाल यह है कि अमेरिका नई दिल्ली को रूसी सैन्य आपूर्ति से दूर करने के लिए कितना मजबूर कर सकता है? और क्या अमेरिका रूस के प्रति एक सरल व्यापारिक दृष्टिकोण रख सकता है, इस पर जोर दिए बिना कि हथियारों की आपूर्ति केवल रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रणालियों के साथ 'हमारे साथ या हमारे खिलाफ' दृष्टिकोण पर की जाएगी? जो भी हो, एक खरीदार के रूप में अभी भारत का हाथ ऊपर है।

व्यापक विमर्श करके हों कानूनी संशोधन

भारत डोगरा

ऐसे अनेक कानून इस समय संशोधन और बदलाव के दौर में हैं, जिनका जन-जीवन से नजदीकी संबंध है। समय और स्थितियों में बदलाव के साथ कुछ कानूनों में बदलाव की जरूरत हो सकती है, पर इस ओर ध्यान देना जरूरी है कि ये सही दिशा में हैं और कानून को बेहतर बनाते हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि केवल वही बदलाव किए जाएं, जो व्यापक जनहित में हैं। इसके लिए व्यापक विमर्श की जरूरत है।

संसद में तथा संसद के बाहर मीडिया में इस विमर्श से विभिन्न तथ्य व सुझाव सामने आते हैं। संसदीय समितियों के माध्यम से कानून के संशोधन पर विमर्श के लिए अधिक समय मिलता है व संभावित गलतियों से बचने का अवसर भी। हाल ही में वन संरक्षण कानून के नए नियम (2022) बनाए गए हैं, जिन पर तीखी बहस हो रही है। चूंकि पहले ही प्राकृतिक वन बहुत उजड़ चुके हैं, अत: यह चिंता प्रकट की गई है कि विभिन्न परियोजनाओं के लिए इससे वनों का कटान व्यापक स्तर पर होने लगेगा।

एक अन्य चिंता यह है कि वर्ष 2006 में वन-अधिकार कानून के अंतर्गत जो प्रयास आदिवासियों-वनवासियों के भूमि-अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए थे, वे भी इससे कमजोर हो जाएंगे। इन सभी चिंताओं को ध्यान में रखकर ऐसा फैसला लेना होगा, जो वनों की रक्षा व आदिवासियों-वनवासियों के अधिकारों की रक्षा के अनुकूल हो। इसी तरह जैव-संसाधन विविधता के वर्ष 2002 के कानून में प्रस्तावित संशोधन के बारे में अनेक विशेषज्ञों ने यह कहा है कि इससे जैव-संसाधनों की रक्षा की व्यवस्था कमजोर होगी और स्थानीय समुदायों की अपने यहां के जैविक संसाधनों पर जो हकदारी है, वह भी कमजोर होगी।

वर्ष 2003 के विद्युत अधिनियम में भी संशोधन की प्रक्रिया चल रही है। इसके बारे में अखिल भारतीय बिजली इंजीनियर फेडरेशन जैसे संगठनों ने कहा है कि इससे सरकारी बिजली वितरण कंपनियों के नेटवर्क को उपयोग करने के अवसर निजी कंपनियों को अधिक मिलेंगे। इसका उपयोग निजी कंपनियां अधिक लाभ देने वाले औद्योगिक व व्यावसायिक ग्राहकों को बिजली आपूर्ति के लिए करेंगी। अधिक लाभ देने वाले ग्राहकों के छिन जाने से सरकारी कंपनियां घाटे में चली जाएंगी।

राज्य सरकारों पर वित्तीय बोझ बढ़ जाएगा और आम लोगों को कम दर पर बिजली उपलब्ध करवाने में कठिनाई बढ़ती जाएगी। यही वजह है कि किसान संगठन भी इस संशोधन का विरोध कर रहे हैं। काफी समय से श्रम संहिता की प्रक्रिया चल रही है, जिसके अंतर्गत बहुत से कानूनों को केवल चार श्रम संहिता में समाहित कर दिया गया है। पर अधिकांश मजदूर संगठनों का मानना है कि इस प्रक्रिया में मजदूरों व ट्रेड यूनियनों के कई अधिकारों को पहले से कम कर दिया गया है।

वैसे इससे संबंधित कानून तो वर्ष 2020 में ही संसद में पास किया गया, पर इसके नियम बनाने की प्रक्रिया अभी तक कुछ राज्यों में चल रही है। अभी तक यह अवसर उपलब्ध है कि मजदूर संगठनों की मांगों के आधार पर कुछ जरूरी सुधार हो सकें। ब्रिटिश राज के समय में वर्ष 1897 में जो महामारी कानून था, उसके स्थान पर नया कानून बनाने की जरूरत काफी समय से व्यक्त की जा रही थी। यह प्रयास वर्ष 2017 में सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिनियम द्वारा किया गया था, पर उस समय जो विधेयक तैयार किया गया था, उसकी आलोचना इस आधार पर हुई थी कि यह लोकतांत्रिक नहीं है व इससे नागरिक-स्वतंत्रता पर बहुत अधिक प्रतिबंधों का प्रावधान है।

मनमानी की अधिक गुंजाइश है। अत: अब एक नया प्रयास चल रहा है व इसके लिए सरकारी समिति प्रयासरत है। उम्मीद है कि वर्ष 2017 के विधेयक में जो कमियां पाई गईं, उन्हें दूर किया जाएगा। इन विभिन्न कानूनों के संशोधन पर चल रही बहस के संदर्भ में एक व्यापक विचार यह प्रकट किया गया है कि इनमें जल्दबाजी न कर सभी संबंधित पक्षों की राय को बेहतर ढंग से जानने का प्रयास करना चाहिए। उचित यही होगा कि जन-जीवन को गहराई से प्रभावित करने वाले इन सभी कानूनों पर भी व्यापक विमर्श हो और व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर कदम उठाए जाएं।

विश्व पटल पर अविस्मरणीय क्षण

सुगंधा मुंशी

नये दशक में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र, नया भारत; राष्ट्र निर्माण की परिकल्पना को पूर्णरूप से बराबरी, साझेदारी एवं लैंगिक समानता की नींव को मजबूत करने की ओर अग्रसर है।

द्रौपदी मुर्मू जी का देश की पहली महिला आदिवासी राष्ट्रपति होना न सिर्फ महिला वर्ग परंतु हाशिये पर खड़े अभिवंचित, आदिवासी, महिला एवं पिछड़े वर्ग से संबंधित हर एक भारतीय के सपनों एवं उनके जीजिविषा को जीवंत रूप प्रदान करता प्रतीत हो रहा है।

भारत की 15वीं महामहिम द्रौपदी मुमरू के रूप में रायसीना हिल का नेतृत्व करना विश्व पटल पर एक अभूतपूर्ण एवं अविस्मरणीय पल है। यह द्योतक है नये भारत का जो आज के कालखंड में वैदिक काल की स्मृति को भी जीवंत करता है। भारत भूमि के जड़ में जहां नारी पूजनीय रहीं, भारत की मूल धरा में ही नारी सम्मान को अडिग स्थान प्राप्त रहा, यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता:। यत्रैतास्तु न पूज्यंते सर्वास्तत्रफला: क्रिया वही भारत आज जीवंत नजर आ रहा है।

वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति बराबरी, समानता एवं सम्मान की द्योतक थी व उन्हें अभिव्यक्ति की संपूर्ण स्वतंत्रता थी। वैदिक काल में जहां महिलाएं बौद्धिक-धार्मिक क्रियाओं में भाग ही नहीं, परन्तु उन्हें समाज में पुरोहितों और ऋषियों का दर्जा भी प्राप्त था, धीरे-धीरे तिरस्कृत होती चली गई। प्राचीन भारत में महिलाओं को उच्च स्थान प्राप्त था, ऋग्वेद काल खंड में महिलाएं उच्चा शिक्षा ब्रह्मज्ञान प्राप्त करने को भी स्वतंत्र थीं। महिलाएं धर्म शास्त्रार्थ इत्यादि में पुरुषों के सामान ही भाग लेती थीं। महिलाओं की समानता समाज में मान्य थी, संपत्ति में सामान अधिकार, क्षमता वर्धन के सामान्य अवसर, सैन्य में प्रशिक्षण एवं महिलाओं का सहशक्षिका होना समाज का एक पहलू रहा। धीरे-धीरे मध्यकाल आते आते वो पितृसत्ता के चंगुल में फंसते चली गई एवं कालांतर में वे हाशिये पर पहुंच गई।

यदि इस समय द्रौपदी मुर्मू जी की जीत का महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक समानता के नजरिये से विश्लेषण किया जाए तो; यह विदित होगा कि वर्तमान राजनीतिक पृष्ठभूमि में भी भारत ने एक सजग एवं दूरदर्शी परिवर्तन सुनिश्चित किया है। एनडीए द्वारा मुर्मू जी को उम्मीदवार बनाया जाना ही इस बात का द्योतक रहा कि राजनीतिक पटल पर ऐतिहासिक बदलाव की नींव डाली जा चुकी है। मुर्मू जी की पृष्ठभूमि जहां चुनौतियों को जीते हुए उन्होंने अपने स्वावलंबन, दृढ़विश्वास एवं संपूर्ण जीवन अथक प्रयास कर क्लर्क की नौकरी से झारखंड की गवर्नर और अब महामहिम का सफर पूरा किया, वह इस बात का परिचायक है कि अभिवंचित वर्ग या आदिवासी समाज से होना किसी भी महिला के लिए रोड़ा नहीं बल्कि एक अवसर है और अपने जीवन यात्रा से उदाहरण स्थापित करना असंभव नहीं। राजनीतिक पृष्ठभूमि पर भी यह एक उदाहरण के तौर पर यादगार लम्हा रहा। जब 21 जून को भाजपा ने उनकी उम्मीदवारी की घोषणा की तो एनडीए के खाते में 5 लाख 63 हजार 825 वोट थे। यानी कुल 52 प्रतिशत, जबकि विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जी के साथ 4 लाख 80 हजार 148 (44 प्रतिशत के लगभग), परन्तु यह ऐतिहासिक रहा कि 21 दिनों के दौरान अन्य दलों के समर्थन की घोषणा के साथ मुर्मू जी को निर्णायक जीत हासिल हुई। राजनीतिक पृष्ठभूमि से भी यह एक सजग परिवर्तन रहा जहां दलों में मतभेद दरकिनार कर राष्ट्र की पहली आदिवासी और कर्मशील महिला को महामहिम चुना गया। ऐसी परिस्थिति में विपक्ष की भूमिका काफी अफसोसजनक रही, जहां उन्होंने संकुचित विपक्षीय विचारधारा का उदाहरण दिया और मुमरू का विरोध कर राजनीतिक, सामाजिक एवं समानता के दृष्टिकोण से उदाहरण प्रस्तुत करने का स्वर्णिम मौका खो दिया।

यह कहना बिल्कुल भी अतिश्योक्ति नहीं होगी कि मुर्मू की उम्मीदवारी घोषित होते ही आम नागरिकों ने उन्हें अपना महामहिम चुन लिया था, क्योंकि वे सिर्फ आधी आबादी का ही नहीं अपितु उन सभी अभिवंचित और दशकों से हाशिये पर बैठे लोगों का प्रतिबिंब थी, जिन्हें दशकों तक अवहेलना का शिकार बनना पड़ा। विगत वर्षो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के लिये गए फैसलों ने पूरे देश के अभिवंचित वर्ग खास कर महिला वर्ग को यह स्पष्ट किया कि उनके नेतृत्व में देश की राजनीति राष्ट्रनीति को समर्पित है, जो सत्ता के लिए नहीं अपितु निचले तबके, पिछड़े वगरे एवं महिलाओं के लिए कार्य करती है। वर्तमान में संवैधानिक ढांचे में राष्ट्र की पहली आदिवासी महिला प्रथम नागरिक का रायसीना हिल का नेतृत्व करना इस बात को सही साबित करता है कि भारत में न्यू नार्मल है। महामहिम मुमरू को ढेरों शुभकामनाएं।

बड़ी जीत

भारत ने अपना भावी राष्ट्रपति चुन लिया, यह समग्रता में देश के लिए खुशी और उत्सव का समय है। ठीक एक महीने पहले 21 जून को जब भाजपा ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ओर से पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा की थी, तभी यह लगभग तय हो गया था कि देश को पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति मिलने जा रही है। इनके नाम की घोषणा से विपक्ष बुरी तरह डगमगा गया, उसमें दरारें दिखने लगीं। राष्ट्रपति उम्मीदवार के रूप में यशवंत सिन्हा को आगे करने वाली तृणमूल कांग्रेस में भी हिचकिचाहट पैदा हो गई। ओडिशा के लिए यह खुशी का मौका था कि पहली बार कोई ओडिया राष्ट्रपति बनने जा रहा था, तो बीजू जनता दल खुलकर द्रौपदी मुर्मू के पक्ष में आ गया। इस बीच महाराष्ट्र में भाजपा विरोधी गठबंधन की सरकार गिर गई और भाजपा के समर्थन से जब सरकार बनी, तब साफ हो गया कि महाराष्ट्र से भी अब द्रौपदी मुर्मू के वोट बढ़ जाएंगे।

ध्यान रहे, राष्ट्रपति चुनाव व उम्मीदवारों के नाम की घोषणा से पहले समग्र विपक्ष का वोट मूल्य सत्तारूढ़ गठबंधन से लगभग डेढ़ प्रतिशत ज्यादा था। मामूली अंतर के बावजूद विपक्ष ने अपने उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के पक्ष में जोश दिखाया, तो यह भी भारतीय लोकतंत्र की खूबी ही है। वैसे यह संभावना इतिहास में दर्ज हो गई है कि काश, भाजपा द्रौपदी मुर्मू के नाम की घोषणा पहले कर देती, तो शायद विपक्ष अपनी ओर से किसी उम्मीदवार को आगे ही नहीं करता। इस संभावना या बात का विपक्षी पार्टियों के कुछ नेताओं ने खुलकर इजहार भी किया। खैर, यह भी इतिहास में दर्ज हो गया है कि देश के 15वें राष्ट्रपति के लिए हुए चुनाव में जमकर सियासत हुई। उम्मीदवारों की ओर से नेताओं की तरह कुछ बयानबाजी भी हुई। सत्ता पक्ष ने विपक्ष को सियासी व नैतिक मुश्किल में डाला और आसानी से हरा दिया। यह अफसोस तो हर बार होता है कि काश, राजनीतिक दल राष्ट्रपति चुनने के मोर्चे पर एकमत हो पाते। कम से कम एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति चुनने पर सभी सहमत हो सकते थे, इसके लिए सम्मिलित प्रयास होने चाहिए थे। आजाद देश में केंद्र व राज्यों में चुनावी प्रक्रिया शुरू होने के बाद अब तक केवल एक बार ऐसा हुआ है, 1977 में नीलम संजीव रेड्डी निर्विरोध राष्ट्रपति चुने गए।

अब द्रौपदी मुर्मू 25 जुलाई को अपना कार्यभार संभालेंगी और आजादी के अमृत वर्ष में देश की कीर्तिगाथा में एक नया अध्याय जुड़ जाएगा। देश के आदिवासी समाज ने एक लंबा सियासी सफर तय किया है, उनकी उपलब्धियां कतई कमतर नहीं हैं। भारतीय लोकतंत्र में आदिवासियों की छोटी-बड़ी उपलब्धियों से ही ऐसा समीकरण बना है, जब देश के प्रथम नागरिक के रूप में हम एक आदिवासी महिला को देखेंगे। यह वाकई नया भारत है। संविधान निर्माताओं ने इसी समावेशी भारत की कल्पना की थी, जिसमें हर वर्ग को शीर्ष स्तर पर प्रतिनिधित्व मिलेगा। देश के लगभग 12 करोड़ आदिवासी निस्संदेह गर्व का एहसास करेंगे, वे अपने जीवन में सुधार लाने को प्रेरित होंगे। भारतीय संविधान की असीम संभावनाओं की रोशनी में यह विकास की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित होने का समय है। सर्वोच्च पद का संदेश पूरे देश में साकार होना चाहिए, आदिवासियों या देश की सियासत की यह उपलब्धि केवल सांकेतिक न रह जाए, यह अपने स्तर और अपनी सीमा में रहते अगली राष्ट्रपति को भी सुनिश्चित करना होगा। दुनिया हमारी समृद्ध विविधता के एक नए रूप से रूबरू होने जा रही है।

ये दोस्ती है कमाल की!

बाघ के बच्चे के साथ अंजना

अमेरिका के एक अभयारण्य में रहने वाली चिम्पैंजी है अंजना। वह इतनी दयालु है कि उसने बहुत से जानवरों के बहुत से अनाथ बच्चों को अपनाया है। अब वह मां की तरह एक बाघ के बच्चे की देखरेख कर रही है और उसकी अठखेलियों में खुश भी हो रही है। वैसे चिम्पैंजी काफी बुद्धिमान और समझदार होते हैं और वे अपने साथ रहने वालों का भी ख्याल रखते हैं।

थेंबा का साथी एल्बर्ट

मां के मर जाने से नन्हा थेंबा (हाथी) बहुत दुखी हुआ और कई दिनों तक इसका शोक मनाता रहा। दक्षिण अफ्रीका के एक अभयारण्य में लाए जाने के बाद भी उसने खाना-पीना छोड़ रखा था। इसी दौरान उसे एल्बर्ट नाम की भेड़ के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला। जल्द ही दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। खेलने के साथ दोनों झपकियां भी साथ ही लेते। नए दोस्त ने इतनी खुशियां दीं कि थेंबा अपने दुख भूल गया और फिर से खाना-पीना शुरू कर दिया।

बालू-लियो और शेर खान की तिकड़ी

शेर खान दरअसल शेर नहीं, बल्कि एक बाघ है और उसके साथ बालू नाम का भालू और लियो नाम का शेर है। इन तीनों के साथ इनके मालिक ने बुरा सलूक किया था, जिस कारण बालू को चोट भी लग गई। इस मुश्किल की घड़ी में ये एक-दूसरे का सहारा बन गये और अब अमेरिका के एक अभयारण्य में ये अपना सारा वक्त साथ ही गुजारते हैं।

दुश्मन के भी दोस्त बनो

अमित लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ जो अमित को नीचा देखना पड़ा और वह बदल गया।

बहुत पहले की बात है। एक गांव था राजनगर। वहां पर करण नाम का एक लड़का रहता था। वह लड़का स्वभाव का बहुत अच्छा था। पढ़ाई में भी होशियार था। वह बहुत आज्ञाकारी और अपने मां-बाप का कहना मानता था। स्कूल में वह ज्यादातर बच्चों की तुलना में होशियार था। स्वभाव से वह विनम्र था और सभी के साथ अच्छा व्यवहार करता था। उसके स्कूल में चाहे उससे बड़े लड़के हों या फिर छोटे, सभी उसे पसंद करते थे। लेकिन इस कारण बहुत से लड़के करण से जलते भी थे। करण की ही क्लास में एक लड़का पढ़ता था, जिसका नाम था अमित। अमित पढ़ाई में तेज नहीं था। उसका स्कूल में खेलने में बहुत मन लगता था। वह अपने माता-पिता की बात नहीं सुनता था और उनसे रूखे तरीके से बात करता था। अपनी क्लास के लड़कों को वह चिढ़ाया करता था। यहां तक कि करण को भी वह खूब परेशान करता था। वह लगातार कोशिश करता था कि किसी भी तरह करण को नीचा दिखा सके और दूसरे बच्चों के सामने उसकी खिल्ली उड़ा सके। लेकिन उसकी लाख कोशिशों के बावजूद करण अपनी पढ़ाई में और बेहतर होता जा रहा था। चाहे बात पढ़ाई की हो या खेल की, करण हर किसी में बाजी मारता और हर जगह उसकी खूब तारीफ होती।

अपने आठवें जन्मदिन पर करण को अपने पिता की तरफ से गिफ्ट के तौर पर एक सुंदर सा पेन मिला। करण स्कूल में नोट्स लिखने के लिए वह पेन ले जाने लगा। वह पेन दिखने में तो सुंदर था ही, लिखता भी तेज था। जब अमित ने करण का पेन देखा तो उसे बहुत जलन हुई। अमित ने नजरें तिरछी करके करण से पूछा, 'यह पेन तुम्हें कहां से मिला? क्या तुमने इसे खरीदा है?'

'नहीं, मुझे यह पेन मेरे मम्मी-पापा ने बर्थ डे गिफ्ट में दिया है।' करण ने जवाब दिया।

इस बात से अमित का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क गया। अपने माता-पिता से वह खुद इतना बुरा सलूक करता था कि अब तक उसे उनसे शायद ही कोई गिफ्ट मिला हो। जब लंच का वक्त हुआ, तो उसने करण का पेन चुराने का फैसला कर लिया। जब हर कोई लंच के लिए बाहर निकल गया, तो अमित ने चुपके से करण के बैग से पेन चुरा लिया। इसके बाद उसने पेन अपने बैग में छिपा लिया और लंच करने बाहर चला गया।

जब करण वापस लौटा तो उसे बैग में अपना पेन नहीं मिला। उसने अपने टीचर को इस बारे में बताया। इसके बाद पूरी क्लास में पेन खोजा गया, लेकिन वह नहीं मिला। तब टीचर ने क्लास के मॉनीटर से कहा कि वह सबके बैग की तलाशी ले। जल्द ही अमित के बैग से पेन मिल गया। उसे गुस्से से देखते हुए टीचर ने पूछा, 'अमित, पेन तुम्हारे बैग से निकला है, इस बारे में तुम्हें कुछ कहना है?'

अमित की आंखों में आंसू आ गए। वह कुछ नहीं बोला।

जब करण ने अमित को रोते हुए देखा, तो उसे अमित पर दया आ गई। उसके दिल में अमित के लिए कोई गिला-शिकवा नहीं था। उसने टीचर से कहा कि उसका खोया हुआ पेन वापस मिल गया है, अब वे अमित को सजा न दें। करण के इन शब्दों ने अमित की आंखें खोल दीं। वह हमेशा करण को परेशान करता था, लेकिन करण ने हमेशा उससे अच्छा व्यवहार किया। इस समय उसे एहसास हो रहा था कि करण कितना अच्छा लड़का है। उसने तुरंत करण और क्लास टीचर से माफी मांगी। इसके बाद करण और अमित दोस्त बन गए। फिर तो अमित का व्यवहार बदल गया और सभी उसे पसंद करने लगे। करण को अपने नए दोस्त पर नाज था।

हंसने वाला कोका

साथियों, क्या तुमने ऑस्ट्रेलिया के हंसने वाले कोका के बारे में सुना है? आजकल ऑस्ट्रेलिया में यह खूब चर्चित हो रहा है। हंसने वाले कोका का दरअसल राज यह है कि इसका मुंह इस तरह का बना होता है, मानो खुशी से हंस रहा हो। छोटे चूहे जैसा यह जानवर आजकल ऑस्ट्रेलिया में पर्यटकों के बीच खूब लोकप्रिय हो रहा है। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह बेहद सेल्फी फ्रेंडली जानवर है। इसके साथ सेल्फी आती भी बड़ी मस्त है। इसकी स्माइलिंग वाले जबड़े की बनावट के कारण कुछ समय पहले इसे दुनिया के सबसे खुश जानवर की उपाधि भी मिल चुकी है। कोका वैसे तो एक साथ रहना पसंद करते हैं। आमतौर पर ये पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के दलदली इलाकों और जंगलों में रहते हैं। ऑस्ट्रेलिया के रॉटनेस्ट आइलैंड पर ये खूब पाए जाते हैं।

एक है कैट आइलैंड

तुमने वह कहानी तो सुनी ही होगी, जिसमें एक राजा ने मक्खियों को उड़ाने की नौकरी एक बंदर को दी थी। एक दिन राजा की नाक पर बैठी मक्खी को उस बंदर ने डंडे से ऐसा भगाया कि राजा की नाक ही टूट गई। उसके बाद राजा ने ऐसे दोस्तों से तौबा कर ली थी। कुछ ऐसा ही माजरा हुआ है दक्षिण जापान के एक दूर के द्वीप पर। वहां पर अधिकतर मछुआरे रहते हैं। बेचारों ने काफी समय पहले एक ऐसे दोस्त से दोस्ती कर ली, जो अब उनकी जान की मुसीबत बन गया है। दक्षिणी जापान के आओशिमा नामक द्वीप पर मछुआरों की दोस्त बनकर आई बिल्लियां अब संख्या में इतनी ज्यादा हो गई हैं कि जिधर नजर घुमाओ, बिल्लियां ही बिल्लियां नजर आती हैं। ये इतनी ज्यादा हो गई हैं कि यहां हर एक आदमी पर छह बिल्लियों का अनुपात बन गया है। बेचारे इस द्वीप के रहने वाले। हर वक्त उन्हें भगाते ही रहते हैं। कुछ उन्हें खाना भी खिलाते हैं। कुछ वर्षों पहले जब यहां चूहे बहुत ज्यादा हो गए थे और वे आए दिन मछुआरों की नाव काटने लगे, तो बिल्लियों को इस द्वीप पर लाया गया। अब चूहे तो नहीं रहे, लेकिन चारों तरफ बिल्लियां ही बिल्लियां हैं। इस द्वीप पर कुछ बुजुर्ग और युवा ही रहते हैं। बाकी सभी बड़े शहर चले गए हैं। अब यहां इतनी बिल्लियां हैं कि कोई रेस्टोरेंट या खोमचा नहीं खोला जा सकता। यहां केवल इस 'कैट आइलैंड' को देखने आने वालों को लाने-ले जाने वाली मोटरबोट ही ज्यादा दिखती हैं। हालांकि कुछ लोगों को इस द्वीप पर बिल्लियों को देखने में खूब मजा आता है।

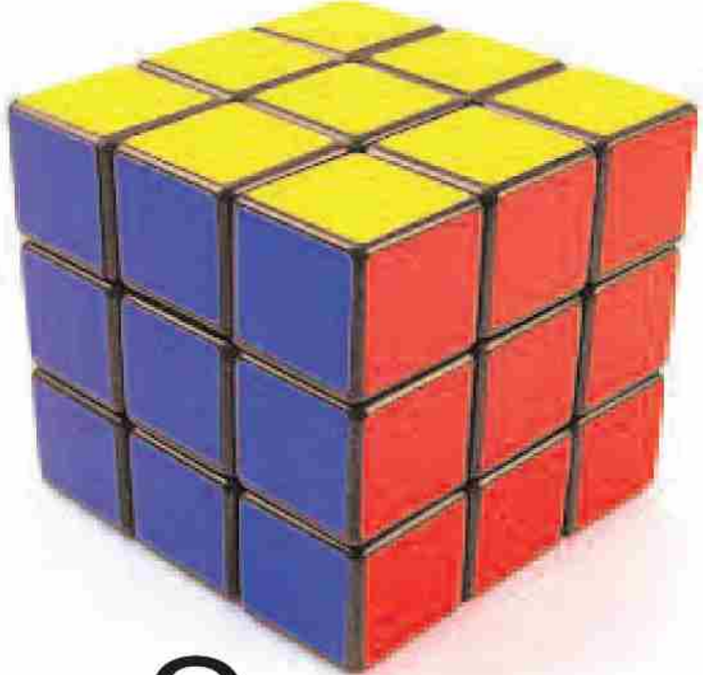

रूबिक क्यूब्स का तोड़ा रिकॉर्ड

अगर इंटेलिजेंट होने की बात आती है, तो रूबिक क्यूब्स में महारत की बात भी जरूर उठती है। आपको पता है कि रूबिक क्यूब्स क्या होते हैं?

दोस्तों, तुम सभी ने आकार में चौकोर कई रंग-बिरंगे खानों वाला यह क्यूब कभी न कभी खेला जरूर होगा। उसे हल करना आमतौर पर लोगों के लिए बहुत कठिन होता है। इसीलिए उसे जो सही-सही खेल ले, वह बड़ा बुद्धिमान माना जाता है। इस क्यूब को पसंद करने वालों में बहुत से ऐसे भी हैं, जो इसे सबसे जल्दी हल करने की प्रतियोगिता भी करते हैं। उन्हें 'स्पीड क्यूबर्स' के नाम से जाना जाता है। बहुत से लोग इसके लिए प्रसिद्ध हैं, जैसे कि भारत के भार्गव नरसिम्हन। वह एक जाने-माने स्पीड क्यूबर हैं। उनके नाम रूबिक क्यूब के दो नेशनल रिकॉर्ड हैं और अब खबर है कि उन्होंने 5 रूबीस क्यूब का वर्ल्ड रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। यह उन्होंने एक मिनट के अंदर हल कर दिया। यह काम उन्होंने केवल एक हाथ से ही कर दिखाया। वैसे भार्गव केवल 22 साल के हैं और अभी पढ़ाई कर रहे हैं। इनसे प्रेरणा लेकर तुम भी रूबिक क्यूब्स को जल्द से जल्द हल करने का मुकाबला रख सकते हो। तुम्हें बहुत मजा आएगा।

दक्षिणी ईरान में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोगों की मौत, 55 लोगों को बचाया गया सुरक्षित

तेहरान। ईरान के सूखाग्रस्त दक्षिणी फार्स प्रांत में अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई है। यहां के सरकारी टेलीविजन ने शनिवार को यह जानकारी दी। शहर के गवर्नर युसेफ कारेगर के अनुसार, इस्ताहबन शहर में भारी बारिश के कारण रूदबल नदी का पानी भर गया। कारेगर ने कहा कि बचाव दल ने बाढ़ में फंसे 55 लोगों को सुरक्षित बचाया था, लेकिन कम से कम छह लोग अब भी लापता हैं। ईरान के मेट्रोलॉजी विभाग ने देश भर में संभावित रूप से भारी मौसमी बारिश के बारे में चेतावनी दी थी जो जलवायु परिवर्तन की वजह से दशकों से सूखे का सामना कर रहा है। नदी के किनारों के पास इमारतों और सड़कों के निर्माण से अचानक बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है।

बैंकिंग सेक्टर में बढ़ रहा है चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का दखल, एचएसबीसी ने अपने यहां की सीसीपी कमेटी की स्थापना

किसी भी देश के लिए बैंक उसकी सबसे बड़ी ताकत होती है। इसलिए तो बैंकिंग सिस्टम को देश की अर्थव्यवस्था के लिए रीढ़ की हड्डी माना जाता है। क्योंकि किसी भी देश में जितने पैसे सर्कुलेट होता है उनमें से ज्यादातर पैसे वो देश अपने सरकारी बैंकों में ही जमा रखता है। इतना ही नहीं अधिकांश देश के लोग भी अपनी जमा राशि बैंक में ही रखना पसंद करते हैं। क्योंकि बैंक में रखी गई राशी सुरक्षित होती है। लेकिन अगर मान लीजिए कोई बैंक अगर बंद हो जाए या फिर लोगों को पैसे लौटाने से मना कर दे तो क्या होगा। ऐसा ही कुछ चीन में इन दिनों देखने को मिल रहा है। इस वक्त चीन गंभीर बैंकिंग संकट से गुजर रहा है। हालात इतने बदतर हैं कि कई बैंकों ने अपने ग्राहकों के पैसे निकालने पर रोक लगा दी है। ऐसे में हजारों लोग सड़कों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया है। लोगों का उग्र रूप देख सड़कों पर पुलिस और टैंक उतर गए हैं। पिछली तिमाही में चीन की जीडीपी ग्रोथ रेट 0.4 प्रतिशत रही है। यानी चीन में आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है और बैंकों के इस संकट ने चीन की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। बैड लोन की वजह से चीन के बैंक भी खस्ता हाल में हैं। जिस बड़ी रियल एस्टेट को लोन दिए, वो कम्पनी समय पर लोन नहीं लौटा पाई। वो कम्पनी समय पर लोन नहीं लौटा पाई। इस तरह चीन के ग्रामीण लोगों का पैसा बाजार में फंस गया। चीन में हर सफल रियल एस्टेट डेवलेपर राष्ट्रपति शी जिनपिंग की चीनी कम्युनिस्ट पार्टी यानी सीपीसी के कुछ ताकतवर लोगों से जुड़ा है। ये सब चीन सरकार की खराब नीतियों का ही परिणाम है।

गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन का अनावरण

लंदन । पहले सिख गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व के मौके पर ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा में सरे सिटी काउंसिल द्वारा क्लोवरडेल में स्मारक गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन का अनावरण किया गया। शहर में सिख समुदाय की अच्छी-खासी आबादी है। प्रोग्रेसिव इंटरकल्चरल कम्युनिटी सर्विसेज सोसाइटी (पीआईसीएस) के अनुरोध को मंजूरी देने वाले सरे सिटी काउंसिल के साथ शुक्रवार को 64 एवेन्यू और 175 स्ट्रीट के कोने पर साइन स्थापित किया गया। सड़क आगामी गुरु नानक विविधता गांव दीर्घकालिक देखभाल सुविधा तक पहुंच प्रदान करती है। पीआईसीएस के अध्यक्ष और सीईओ सतबीर सिंह चीमा ने बताया कि स्मारक वाले सड़क का नाम अंग्रेजी और पंजाबी दोनों में लिखा गया है। उन्होंने कहा कि पीआईसीएस एक गैर-लाभकारी समुदाय-आधारित संगठन है जो वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल सेवाओं और आवास कार्यक्रमों जैसी कई तरह की सेवाएं प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि क्लोवरडेल में स्मारक गुरु नानक विलेज वे स्ट्रीट साइन के अनावरण का जश्न मनाने के लिए सरे सिटी काउंसिल में पीआईसीएस सोसाइटी, निर्वाचित सरकारी अधिकारी, भारत के काउंसल जनरल (वैंकूवर) और समुदाय के सदस्य शामिल हुए थे। उत्साहित चीमा ने कहा, सरे की नगर पालिका में रहने वाले 104,720 से अधिक दक्षिण एशियाई लोगों के साथ गुरु नानक देव के नाम पर इस सड़क का नामकरण न केवल हमारे शहर की बहुसांस्कृतिक मोजेक, बल्कि समृद्ध पंजाबी विरासत को भी दर्शाता है। यह हमारे अल्पसंख्यकों, हमारी विविध संस्कृतियों, समुदायों का उत्सव है।卐 उन्होंने इस पहल पर उनके नेतृत्व के लिए मेयर डग मैक्कलम और सरे नगर परिषद का आभार व्यक्त किया।

अमेरिका के आयोवा में गोलीबारी में तीन लोग मारे गये

माकुओकेटा(अमेरिका)। अमेरिका में ईस्टर्न आयोवा के एक पार्क में शुक्रवार सुबह हुई गोलीबारी में तीन लोग मारे गये और संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। आयोवा अपराध जांच डिवीजन के विशेष प्रभारी एजेंट माइक क्राप्फ्ल ने एक बयान में कहा कि माकुओकेटा केव्स स्टेट पार्क कैंपग्राउंड में सुबह साढ़े छह बजे गोलीबारी होने की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। क्राप्फ्ल ने कहा कि मौके पर पुलिस ने तीन लोगों को मृत पाया। मृतकों की पहचान उजागर नहीं की गई है। क्राप्फ्ल ने कहा कि बाद में घटनास्थल पर नेब्रास्का के एक व्यक्ति का शव पाया गया जिसने खुद को गोली मारी थी। अधिकारियों ने इस व्यक्ति की पहचान 23 वर्षीय एंथनी शर्विन के रूप में की है।

उत्तर कोरिया के टीवी चैनलों-अखबारों पर से प्रतिबंध हटाएगा दक्षिण कोरिया

सियोल। दक्षिण कोरिया अपने चिर प्रतिद्वंद्वी उत्तर कोरिया के साथ आपसी समझ बेहतर करने के प्रयासों के तहत उसके टेलीविजन, समाचारपत्रों और अन्य मीडिया माध्यमों पर से देश में लगा प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि उत्तर कोरिया के हालिया मिसाइल परीक्षण को लेकर दोनों देशों के बीच पैदा हुए तनाव के बावजूद दक्षिण कोरिया ने यह कदम उठाया है। दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति यून सुक यिओल के समक्ष शुक्रवार को पेश की गई नीतिगत रिपोर्ट में एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि वह आपसी समझ को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत धीरे-धीरे उत्तर कोरिया के प्रसारकों, मीडिया और प्रकाशनों के लिए दरवाजे खोलेगा। मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण कोरिया उत्तर कोरिया को भी इसी तरह के कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश करेगा। मंत्रालय ने इस बारे में और विवरण देने से इनकार कर दिया।

अमेरिका में वयस्कों के बाद बच्चों के दिखाई दिए मंकीपॉक्स के लक्षण, चिंता का विषय

वाशिंगटन। देश-विदेश में मंकीपॉक्स तेजी से फैला रहा है। संक्रमण की चपेट में वयस्क ही नहीं, बच्चे भी आ रहे हैं। अमेरिका में पहली बार बच्चों में मंकीपॉक्स के संक्रमण पाए गए हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक कैलिफोर्निया में एक बच्चे और एक नवजात शिशु में मंकीपॉक्स के लक्षण मिले हैं। अमेरिकी स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि देश में पहली बार बच्चों में

मंकीपॉक्स का वायरस मिला है। इससे पहले वयस्कों में ही मंकीपॉक्स का लक्षण मिला था। वही सीडीसी ने कहा कि दो मामले मिले हैं, जो कि एक-दूसरे से कनेक्टेडट नहीं है। दोनों बच्चे फिलहाल ठीक है, उनका इलाज किया जा रहा है। सीडीसी ने कहा कि मंकीपॉक्स एक-दूसके के संपर्क में आने से फैल रहा है। इस साल अब तक 60 से अधिक देशों में मंकीपॉक्स के 14,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, अफीका में 5 मौतें हो चुकी हैं। सीडीसी प्रमुख ने कहा कि यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मंकीपॉक्स अब बच्चों को भी शिकार बना रहा है। अभी तक कहा जा रहा था, कि मंकीपॉक्स के प्रसार में यौन संबंधों बड़ी वजह थी, लेकिन अब यह तेजी से बच्चों में भी फैलने लगा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में अभी तक 2,891 मंकीपॉक्स के मरीज सामने आए हैं, इसमें से 99 प्रतिशत पुरुषों में मंकीपॉक्स संक्रमण मिला है। जबकि कुछ महिलाएं और कुछ ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। व्हाइट हाउस के कोविड कॉर्डिनेटर डॉ.आशीष झा ने कहा कि सरकार ने मंकीपॉक्स वैक्सीन की 300,000 वैक्सीन वितरित की गई हैं। जबकि डेनमार्क से 786,000 वैक्सीन का शिपमेंट लाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क शहर में आधी से अधिक योग्य आबादी और वाशिंगटन डीसी में 70 प्रतिशत से अधिक योग्य आबादी को वैक्सीन की पहली डोज लगाने के लिए पर्याप्त खुराक हैं।

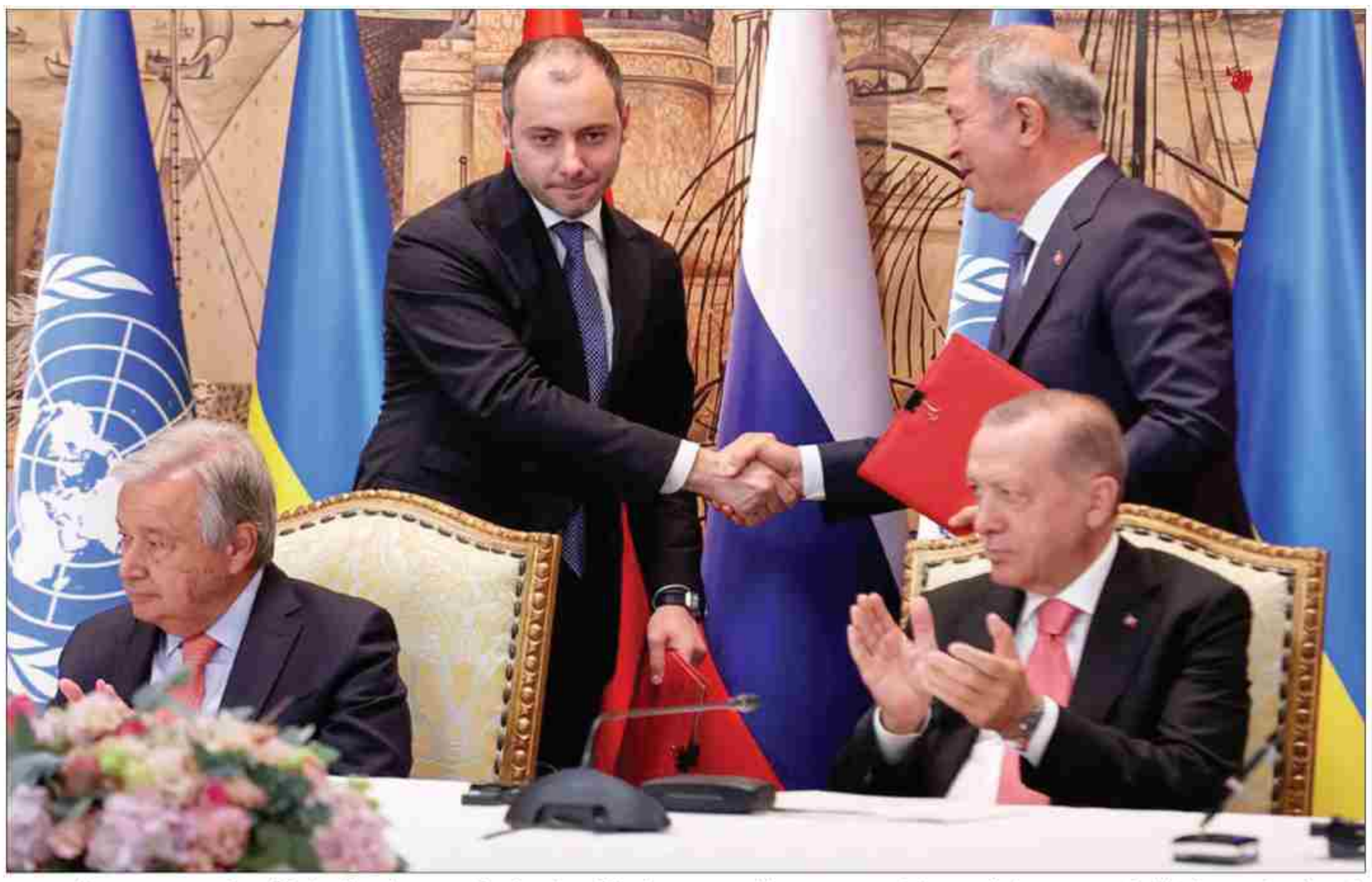

इस्तांबुल में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की अध्यक्षता में यूक्रेन और तुर्की के बीच अनाज समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद यूक्रेनी अवसंरचना मंत्री ऑलेक्ज़ेंडर कुब्राकोव और तुर्की के रक्षा मंत्री हुलुसी अकार हाथ मिलाते हुए। इस मौके पर तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन भी मौजूद थे।

जापान ने वैश्विक तनाव बढ़ने की चेतावनी दी

तोक्यो। जापान ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध और चीन-ताइवान के बीच तनाव के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे बढ़ने की बात कही है। शुक्रवार को जारी वार्षिक रक्षा दस्तावेज में यह जानकारी दी गई है। शुक्रवार को प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृत किए गए वार्षिक रक्षा श्वेत पत्र में सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए जापान की सैन्य क्षमता बढ़ाने की जरूरत को रेखांकित किया गया है। किशिदा की सत्तारूढ़ पार्टी सैन्य बजट को आने वाले समय में दोगुना करना करना चाहती है। अगले कुछ महीने में जापान की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की समीक्षा की जानी है, जिससे पहले यह रिपोर्ट जारी की गई है। लगभग 500 पृष्ठ की इस रिपोर्ट में चीन, रूस और उत्तर कोरिया की ओर से सबसे अधिक सुरक्षा चिंताएं पैदा होने की बात कही गई है। रक्षा मंत्री नोबुओ किशी ने रिपोर्ट में शामिल एक बयान में कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्रअंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन गया है। रिपोर्ट में यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन कहा गया है। साथ ही इसमें कहा गया है कि बलपूर्वक यथास्थिति में एकतरफा बदलाव का प्रभाव हिंद-प्रशांत क्षेत्र तक फैल सकता है। रिपोर्ट में ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव का उल्लेख किया गया है। अमेरिका अब भी युद्धपोत और हथियार ताइवान भेज रहा है जबकि चीनी युद्धक विमान तेजी से ताइवान के हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।

शहबाज शरीफ के बेटे हमजा फिर से चुने गए पंजाब के मुख्यमंत्री, सड़कों पर विरोध प्रदर्शन

लाहौर (पाकिस्तान)। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के बेटे हमजा शरीफ ने शनिवार को पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे एक दिन पहले नाटकीय घटनाक्रम के बीच वह महज तीन मतों के अंतर से इस पद पर पुनः निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष ने उनके प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार के 10 अहम मतों को खारिज कर दिया था। पंजाब के गवर्नर बलीगुर रहमान ने हमजा (47) को शपथ दिलायी। शपथ ग्रहण समारोह पंजाब में 'गवर्नर हाउस' में हुआ। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर पंजाब विधानसभा में शुक्रवार को पंजाब के मुख्यमंत्री पद के लिए मतदान हुआ। हमजा को चुनाव में विजेता घोषित किया गया। हालांकि, उनकी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के पास 17 जुलाई को हुए अहम उपचुनावों के बाद विधानसभा में बहुमत नहीं है।

विधानसभा उपाध्यक्ष दोस्त मोहम्मद माजरी ने संविधान के अनुच्छेद 63-ए का हवाला देते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (पीएमएल-क्यू) पार्टी के उम्मीदवार चौधरी परवेज इलाही के 10 मतों को खारिज कर दिया, जिसके बाद हमजा महज तीन मतों के अंतर से पंजाब के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर फिर से आसीन हो सके। पीएमएल-क्यू पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) का सहयोगी दल है। पंजाब की 368 सदस्यीय विधानसभा में हमजा की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) को 179 वोट मिले जबकि इलाही की पार्टी को 176 वोट मिले। इलाही की पीएमएल-क्यू के 10 मतों को इस आधार पर नहीं गिना गया कि उन्होंने अपने पार्टी के प्रमुख चौधरी शुजात हुसैन के आदेशों का उल्लंघन किया था। मजारी ने कहा कि पार्टी प्रमुख हुसैन ने पीएमएल-क्यू के सदस्यों को इलाही के बजाय हमजा को वोट देने का निर्देश दिया था। मजारी ने कहा, ''मैंने पीएमएल-क्यू के 10 मतों को खारिज करने का फैसला दिया क्योंकि उसके प्रमुख चौधरी शुजात हुसैन ने मुझे एक पत्र लिखकर कहा था कि उनकी पार्टी के विधायकों को पीटीआई-पीएमएलक्यू उम्मीदवार के लिए वोट नहीं करना चाहिए था। मैंने फोन पर शुजात से बात की और उन्होंने अपने पत्र में इसका जिक्र होने की पुष्टि की।'' उन्होंने बताया कि हमजा ने तीन मतों से पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री पद की कुर्सी फिर से हासिल कर ली।

बहरहाल, पीटीआई-पीएमएलक्यू के विधायकों ने उपाध्यक्ष के फैसले का विरोध किया। यह दूसरी बार है जब हमजा ने पंजाब के मुख्यमंत्री पद पर इलाही को हराया है। पिछली बार उन्हें 16 अप्रैल को जीत मिली थी लेकिन उन्हें शपथ दिलाने में कई दिनों की देरी हुई थी क्योंकि तत्कालीन गवर्नर उमर सरफराज चीमा ने उन्हें शपथ दिलाने से इनकार कर दिया था। बाद में नेशनल असेंबली के अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने लाहौर उच्च न्यायालय के निर्देशों पर 30 अप्रैल को उन्हें शपथ दिलायी थी। पीएमएल-क्यू के 10 सदस्यों के मतों को खारिज करने के मजारी के फैसले के बाद पीटीआई ने कहा कि वह इस निर्णय को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी। इलाही ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय में इस फैसले को चुनौती देंगे क्योंकि उपाध्यक्ष ने अदालत के आदेश का उल्लंघन किया है। इससे पहले, पीटीआई के अध्यक्ष खान ने आगाह किया था कि अगर जनादेश को पलटने के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया गया तो देश में श्रीलंका जैसे हालात खड़े हो जाएंगे। वहीं, पीएमएल-एन नेता नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने कहा कि उनकी पार्टी ने शुक्रवार को जो किया वह खान की पार्टी को ''जैसे को तैसा'' जवाब है। मरियम ने ट्वीट किया, ''पीएमएल-एन उसके साथ हुए बर्ताव को भूली नहीं है। अब खेल के नियम सभी के लिए समान होंगे, नहीं तो पीएमएल-एन इसे बेहतर तरीके से खेलना जानती है।

चीन, पाकिस्तान ने आर्थिक गलियारे में दिलचस्पी रखने वाले अन्य देशों को भी दिया न्योता

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। चीन और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच बन रहे अरबों डॉलर के आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा बनने में दिलचस्पी रखने वाले दूसरे देशों को इसका न्योता देते हुए कहा है कि यह आपसी सहयोग का एक खुला एवं समावेशी मंच है। वर्ष 2013 में शुरू हुआ यह आर्थिक गलियारा पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिनझियांग क्षेत्र में स्थित काशगर से जोड़ने वाला है। इसके जरिये दोनों देश ऊर्जा, परिवहन एवं औद्योगिक सहयोग करेंगे। सीपीईसी के अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं समन्वय संबंधी संयुक्त कार्य समूह की शुक्रवार को तीसरी बैठक वर्चुअल माध्यम से हुई। इसमें दोनों देशों ने आर्थिक गलियारे का हिस्सा बनने की दिलचस्पी रखने वाले अन्य देशों को भी शामिल होने का न्योता दिया। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, विदेश सचिव सोहैल महमूद और चीन के सहायक विदेश मंत्री वू जियानझाओ ने इस कार्यसमूह की बैठक की संयुक्त रूप से अध्यक्षता की। इस दौरान सीपीईसी से जुड़ी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा किए जाने के अलावा साझा रूप से सहमत हुए क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। बैठक में कहा गया कि चीन की महत्वाकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत शुरू की गई सीपीईसी परियोजना ने खासकर अफगानिस्तान के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संपर्क को सशक्त करने में नया मुकाम हासिल किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने कहा, ''दोनों ही पक्षों ने एक खुले एवं समावेशी मंच के तौर पर सीपीईसी से लाभान्वित होने में दिलचस्पी रखने वाले तीसरे पक्षों का स्वागत किया।'' चीन और पाकिस्तान के बीच के इस आर्थिक गलियारे का भारत खुलकर विरोध करता रहा है। भारत इस गलियारे के पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजरने के आधार पर इसका विरोध करता आ रहा है। पाकिस्तान के विदेश सचिव ने सीपीईसी में हुई प्रगति पर संतोष जताते हुए कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती बहुत गहरी है और यह परियोजना दोनों देशों के बीच की गहराई तक पैठ वाली आपसी सद्भावना को दर्शाती है। हालांकि तमाम पश्चिमी विश्लेषकों का मानना है कि सीपीईसी दरअसल पाकिस्तान को चीन के आर्थिक नियंत्रण में लेने का एक जरिया है और आगे चलकर पाकिस्तान कर्ज के भारी बोझ तले दब सकता है।

चुनाव से पहले थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने आखिरी अविश्वास मत जीता, गठबंधन सरकार का मिला पूरा समर्थन

कोलंबो। (एजेंसी)।

बैंकॉक।अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले उम्मीद के अनुरूप थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओचा ने शनिवार को संसद में अपना चौथा और अंतिम अविश्वास मत जीत लिया। प्रयुथ (68) और उनके 10 कैबिनेट सदस्यों को लेकर चार दिन तक हुई बहस के बाद मतदान हुआ। विपक्ष ने बढ़ते सरकारी ऋण और भ्रष्टाचार को रोकने में विफल रहने के लिए प्रयुथ की सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। संसद में मौजूदा गठबंधन सरकार के बहुमत की बदौलत सभी 10 कैबिनेट मंत्री भी बच गए। प्रयुथ को 256 वोट मिले, जबकि उनके विरोध में 206 वोट पड़े।

वहीं, नौ सांसद मतदान में गैरहाजिर रहे। मुख्य विपक्षी दल फेउ थाई पार्टी के प्रमुख चोलनन श्रीकाव ने कहा कि परिणाम निराशाजनक थे, क्योंकि ये जनता की भावना को नहीं दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ''हम जानते हैं कि हम संसद में नहीं जीत सकते, लेकिन हम आम चुनाव में नहीं हारेंगे।'' सेवानिवृत्त जनरल प्रयुथ 2020 के बाद से तीन निंदा प्रस्तावों से बचने में सफल रहे हैं और संसदीय बहुमत होने के कारण उनकी गठबंधन सरकार बरकरार है। थाईलैंड के संसदीय इतिहास में किसी भी कैबिनेट मंत्री को कभी अविश्वास प्रस्ताव के जरिये नहीं हटाया गया है।

प्रधानमंत्री चुना गया तो पहले दिन से ब्रिटेन को संकट से निपटने के लिए काम शुरू कर देंगे: ऋषि सुनक

लंदन (एजेंसी)।

ऋषि सुनक ने ब्रिटेन की सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी के चुनाव में जीत के लिए सप्ताहांत गहन अभियान की शुरुआत की। उन्होंने शनिवार को वादा किया कि अगर वह प्रधानमंत्री चुने जाते हैं तो पहले दिन से ही ब्रिटेन के सकंट से निपटने के लिए काम शुरू कर देंगे।ब्रिटेन के 42 वर्षीय पूर्व चांसलर ने 'द टाइम्स' को दिए गए साक्षात्कार में कहा कि जो चल रहा है उसे चलने देने का रुख देश के सामने मौजूद गंभीर आर्थिक चुनौती से निपटने के लिए कारगर नहीं होगा। उन्होंने कहा, '' सरकार के भीतर रहने की वजह से मेरा मानना है कि जो व्यवस्था चल रही है वह काम नहीं कर रही, जैसा की उसे करना चाहिए। मैं जिन चुनौतियों की बात कर रहा हूं वे कल्पना नहीं है...।''

सुनक ने कहा, ''वे चुनौतियां हमारे सामने आ रही है और जैसा चल रहा, उसे चलने दें की मानसिकता उनसे मुकाबला नहीं कर सकती। इसलिए , कार्यालय में (प्रधानमंत्री के) दाखिल होने के पहले दिन से हम संकट से निपटने के प्रयास कर देंगे।'' वर्ष 1980 के दौरान ब्रिटेन की प्रधानमंत्री रहीं मार्गरेट थैचर के गृह नगर पूर्वी इंग्लैंड के ग्रैंथम में होने वाली बहस से पहले कंजर्वेटिव पार्टी के दोनों नेता (प्रधानमंत्री पद के दावेदार) सुनक और उनकी प्रतिद्वंद्वी लिज ट्रस अपने पारंपरिक मतदाताओं को पक्ष में करने के लिए थैचर को अपना आदर्श बता रहे हैं। ब्रिटेन के साउथम्पटन में जन्मे भारतीय मूल के सुनक ने रेखांकित किया कि कैसे उनके परिवार के फार्मेसी कारोबार को कंजर्वेटिव मूल्यों ने दिशा दी। सुनक ने कहा कि महंगाई को राष्ट्रीय आपात स्थिति की तरह निपटने के साथ वह धन के बेहतर मूल्य को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे, करदाताओं से प्राप्त धन, उनसे वित्तपोषित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) पर जोर देंगे।

चीनी महिलाएं अपना अंडाणु फ्रीज़ क्यों करवा रही हैं? अस्पताल मांग रहा शादी का प्रमाणपत्र

ताइपे (ताइवान)। (एजेंसी)।

चीन की एक अदालत ने बीजिंग की उस अविवाहित महिला के अनुरोध को ठुकरा दिया है जो अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखवाना चाहती थी। चीन के इस बहुचर्चित मामले में बीजिंग में चाओयांग इंटरमीडिएट पीपुल्स कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि अस्पताल ने महिला के अंडाणुओं को सुरक्षित रखने से इनकार करके उसके अधिकारों का उल्लंघन नहीं किया। टेरेसा शु ने तीन साल पहले यह मुकदमा दायर किया था, जिस पर शुक्रवार को अदालत का फैसला आया। चीन में कानून अविवाहित लोगों को प्रजनन संबंधी उपचार देने जैसी सेवाओं से प्रत्यक्ष रूप से नहीं रोकते हैं।

हालांकि, अस्पताल और अन्य संस्थान ऐसे लोगों को शादी का प्रमाणपत्र दिखाने के लिए कहते हैं। यह चर्चित मामला 2018 का है जब 30 वर्षीय शु कैपिटल मेडिकल यूनिवर्सिटी में बीजिंग के सरकारी अस्पताल में गयी थी और वहां अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखने के लिए कहा था। शुरुआती जांच के बाद उसे बताया गया कि उसके अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता क्योंकि वह शादी का प्रमाणपत्र नहीं दिखा सकी। उसने कहा कि चिकित्सकों ने उससे बच्चा करने का अनुरोध किया था जबकि वह युवा थी।

हालांकि, अविवाहित शु अपने अंडाणुओं को सुरक्षित रखवाना चाहती थी ताकि उसके पास बाद में कभी बच्चा करने का विकल्प हो। शु ने अपने वीचैट अकाउंट पर इस खबर की घोषणा करते हुए एक संक्षिप्त वीडियो बयान में कहा, ''मुझे लगता है कि मुकदमे में हारअविवाहित महिलाओं के प्रजनन के अधिकारों पर हमला नहीं है, हो सकता है कि अस्थायी झटका हो।'' उल्लेखनीय है कि शु के मामले ने चीन में घरेलू मीडिया में काफी सुर्खियां बटोरी थी जब उसने 2019 में अदालत में मुकदमा दायर किया था। स्थानीय मीडिया ने कहा था कि यह देश में अपनी तरह का पहला मामला है। अदालत के फैसले के अनुसार, अस्पताल ने दलील दी कि अंडाणुओं को सुरक्षित कराने से स्वास्थ्य को कुछ खतरे हैं। साथ ही उसने कहा कि गर्भावस्था में देर करने से कुछ ''समस्याएं'' होंगी जैसे कि गर्भावस्था के कारण मां को खतरा तथा अगर माता-पिता एवं उनके बच्चे के बीच आयु में अधिक अंतर होगा तो इससे ''मनोवैज्ञानिक और सामाजिक समस्याएं'' खड़ी होंगी। अस्पताल ने यह भी कहा कि अंडाणु सुरक्षित कराने की सेवा केवल उन महिलाओं के लिए उपलब्ध है जो प्राकृतिक तरीके से गर्भवती नहीं हो सकती और स्वस्थ नहीं हैं। वहीं, शु ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेंगी। उसने कहा, ''ऐसा दिन जरूर आएगा जब हमें अपने शरीर पर अधिकार वापस मिल जाएगा।

वेस्टइंडीज और भारत की बीच हुआ थ्रिलर मुकाबला!

केवल 3 रनों से जीती टीम इंडिया

पोर्ट आफ स्पेन (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज और भारत के बीच का मुकाबला आखिरी गेंद तक थ्रिलर बना रहा। भारत ने अपनी बल्लेबाजी के दौरान एक बड़ा स्कोर खड़ा किया लेकिन बावजूद इसके वेस्टइंडीज ने ये रन चेस करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। रोमांचक मुकाबले में भारत 3 रनों से सीरीज का पहला मैच जीता। शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीन ने वेस्टइंडीज को 308 रनों का टारगेट दिया था लेकिन 304 रन ही 50 ओवरों में वेस्टइंडीज बना सकी।

शिखर धवन ने 97 रनों की शानदार पारी खेली, जबकि शुभम गिल ने अपनी एकदिवसीय वापसी में 64 रनों की शानदार पारी खेली, सलामी बल्लेबाज धवन (99 गेंदों में 97 रन) और गिल (53 में 64 रन) ने 119 रन की साझेदारी की, इससे पहले वेस्टइंडीज ने भारत को सात विकेट पर 308 रनों पर रोक दिया। वेस्टइंडीज को क्वींस पार्क ओवल में रिकॉर्ड का पीछा करने के लिए अंतिम ओवर में 15 रन चाहिए थे, लेकिन मोहम्मद सिराज रोमारियो शेफर्ड (25 रन पर नाबाद 38) को रोकने में सक्षम थे। शीर्ष क्रम पर काइल मेयर्स (68 रन पर 75 रन) और शमर ब्रूक्स (61 रन पर 46 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 117 रन की साझेदारी के साथ वेस्टइंडीज की उम्मीदें बढ़ा दीं। वेस्टइंडीज के पास गेंद नहीं थी और छह विकेट पर 305 पर खेल समाप्त हो गया।

शुभमन गिल ने वापसी करते हुए 64 रन बनाये जबकि कप्तान शिखर धवन शतक से तीन रन से चूक गए लेकिन दोनों ने भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एक दिवसीय मैच में शुक्रवार को सात विकेट पर 308 रन तक पहुंचा दिया। दिसंबर 2020 के बाद पहला वनडे खेल रहे गिल ने 52 गेंद में 64 रन बनाये जबकि धवन ने 99 गेंद में 97 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने 57 गेंद में 54 रन बनाये। धवन और गिल ने पहले विकेट के लिये 106 गेंद में 119 रन की साझेदारी की। गिल 18वें ओवर में रन आउट हुए लेकिन अपनी पारी में उन्होंने कई आकर्षक शॉट्स लगाये। उन्होंने अलजारी जोसेफ को छक्का जड़ा और फिर शानदार चौका लगाया। उन्होंने अपनी पारी में छह चौके और दो छक्के जड़े। वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन के सटीक थ्रो पर वह रन आउट हुए। वनडे क्रिकेट में गिल का यह पहला अर्धशतक था। वहीं सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलने वाले धवन ने अपनी पारी में 10 चौके और तीन छक्के लगाये। भारत एक समय 350 रन के पार जाता दिख रहा था लेकिन धवन के नर्वस नाइंटी का शिकार होने के बाद मध्यक्रम चरमरा गया। धवन अपने कैरियर में सातवीं बार 'नर्वस नाइंटी' का शिकार हुए हैं। भारत का स्कोर एक समय एक विकेट पर 213 रन था जो पांच विकेट पर 252 रन हो गया। संजू सैमसन ने एक बार फिर सुनहरा मौका गंवाया और 12 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं सूर्यकुमार यादव (13) को लचर शॉट खेलने का खामियाजा भुगतना पड़ा। दीपक हुड्डा ने 27 और अक्षर पटेल ने 21 रन की पारी खेली और छठे विकेट के लिये 42 रन जोड़कर भारत को 300 रन के पार पहुंचाया।

भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी विश्व चैंपियनशिप में सातवें स्थान पर रहीं

यूजीन (एजेंसी)।

भारत की अन्नू रानी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ शुक्रवार को यहां महिला भाला फेंक फाइनल में सातवें स्थान पर रही। इस स्पर्धा में लगातार दूसरी बार फाइनल में प्रतिस्पर्धा करते हुए अन्नू ने अपने दूसरे प्रयास में दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन उनके अन्य पांच थ्रो 60 मीटर की दूरी को पार करने में विफल रहे। अन्नू ने अपने छह प्रयास में भाले को क्रमशः 56.18 मीटर, 61.12 मीटर, 59.27 मीटर, 58.14 मीटर, 59.98 मीटर और 58.70 मीटर दूर फेंका।

इस 29 साल की खिलाड़ी का सत्र और व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.82 मीटर (राष्ट्रीय रिकॉर्ड) हैं। अन्नु इस स्पर्धा में अगर अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड को हासिल करती तो उन्हें पदक मिल जाता लेकिन उन्होंने यहां अपने पूरे अभियान के दौरान संघर्ष किया। इस राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी ने 59.60 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफिकेशन दौर में आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह पक्की की थी। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की केल्सी-ली बार्बर ने 66.91 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक हासिल किया। अमेरिका की कारा विंगर ने अंतिम प्रयास में 64.05 मीटर की दूरी के साथ रजत अपने नाम किया, जबकि जापान की हारुका कितागुची ने 63.27 मीटर के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य जीता। ओलंपिक चैंपियन चीन की शियिंग लिउ 63.25 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ चौथे स्थान पर रही। वह 2019 में दोहा में पिछली विश्व चैंपियनशिप में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ फाइनल में आठवें स्थान पर रही थी। लंदन 2017 में वह फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी थी।

बीसीसीआई ने अंपायरों के लिये 'ए प्लस' वर्ग शुरू किया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एलीट पैनल के सदस्य नितिन मेनन उन 10 अधिकारियों के ग्रुप में शामिल हैं जिन्हें बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) के नये शुरू किये गये अंपायरों के 'ए प्लस' वर्ग में रखा गया है।ए प्लस वर्ग में चार अंतरराष्ट्रीय अंपायर - अनिल चौधरी, मदनगोपाल जयरमन, वीरेंद्र कुमार शर्मा और के एन अनंतपद्माभानन शामिल हैं।

रोहन पंडित, निखिल पटवर्धन, सदाशिव अय्यर, उल्हास गांधी और नवदीप सिंह सिद्धू भी ए प्लस वर्ग का हिस्सा हैं। सी शम्सुद्दीन सहित 20 अंपायर ग्रुप ए में हैं जबकि ग्रुप बी में 60, ग्रुप सी में 46 और ग्रुप डी में 11 अंपायर हैं। गुरूवार को शीर्ष परिषद बैठक में पूरी सूची रखी गयी थी जिसे पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायर के हरिहरन, सुधीर असनानी और अमीष साहेबा तथा बीसीसीआई अंपायरों की उप समिति के सदस्यों ने तैयार किया। ए प्लस और ए वर्ग के अंपायरों को प्रथम श्रेणी मैच के लिये प्रत्येक दिन 40,000 रूपये तथा बी और सी वर्ग में प्रत्येक दिन 30,000 रूपये दिये जाते हैं। हालांकि यह सूची अंपायरों के ग्रेड के तौर पर प्रस्तुत की गयी लेकिन बीसीसीआई के एक अधिकारी ने पीटीआई को स्पष्ट किया कि बोर्ड ने यह ग्रुप बनाया है। अधिकारी ने कहा, ''यह 'ग्रेडिंग'नहीं है। इसमें ग्रुप हैं जिसमें ए प्लस नया वर्ग है। ए प्लस और ए को भारतीय अंपायरों की क्रीम कहा जा सकता है। बी और सी वर्ग में अंपायर भी अच्छे हैं। '' उन्होंने कहा, ''जब घरेलू टूर्नामेंट में भूमिकायें देने की बात की जायेगी तो तरजीह ग्रुप के हिसाब से होगी। 2021-2022 सत्र में प्रदर्शन की समीक्षा के बाद ग्रुप बनाये गये हैं। ''

केवल 83 रनों पर सिमटी दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम

इंग्लैंड ने 118 रन से जीता मैच

मैनचेस्टर। (एजेंसी)।

सैम कुरेन और लियाम लिविंगस्टोन की आतिशी पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय मैच में शुक्रवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 118 रन से शिकस्त दी। इंग्लैंड की इस जीत से तीन मैचों की श्रृंखला को 1-1 से बराबर हो गयी। बारिश के कारण मैच चार घंटे की विलंब से शुरू हुआ और इस 29-29 ओवर का कर दिया गया। मैन ऑफ द मैच कुरेन ने 18 गेंद में 35 और लिविंगस्टोन ने 26 गेंद में 38 रन बनाये।

कुरेन ने दो ओवर में पांच रन देकर एक विकेट भी चटकाया। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद 28.1 ओवर में 201 रन पर आउट हो गयी। टीम ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका की पारी को 20.4 ओवर में 83 रन पर समेट दिया। दक्षिण अफ्रीका के चार बल्लेबाज खाता खोलने में नाकाम रहे जबकि सिर्फ तीन खिलाड़ियों ने दहाई के आंकड़े में रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे और चौथे ओवर में छह के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए जिसमें जानेमन मलान, रासी वान डर डुसेन और एडेन मार्कराम खाता खोले बगैर आउट हुए तो वही क्विंटन डिकॉक ने पांच रन का योगदान दिया।

टीम के लिए हेनरिक क्लासेन ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए आदिल रशीद ने तीन जबकि मोईन अली और रीस टॉप्ली ने दो-दो विकेट लिये। डेविड विली और कुरेन को एक-एक सफलता मिली। इससे पहले इंग्लैंड ने भी 18वें ओवर में 101 रन तक छह विकेट गंवा दिया था लेकिन टीम को बेखौफ होकर खेलने का फायदा मिला।

लिविंगस्टोन ने 26 गेंद की पारी में एक चौका और तीन छक्के जड़े तो वही कुरेन ने 18 गेंद की पारी में दो चौके और तीन छक्के लगाये। नौवें और 10वें क्रम के बल्लेबाज डेविड विली ने 21 और रशीद ने 12 रन बनाकर टीम स्कोर को 200 के पार पहुंचाया। दक्षिण अफ्रीका के लिए ड्वेन प्रिटोरिया ने चार तो वही तबरेज शम्सी और एनरिच नोर्किया ने दो-दो विकेट लिये। कप्तान केशव महाराज को एक सफलता मिली। श्रृंखला का तीसरा मैच रविवार को खेला जायेगा।

बेल्जियम को हराकर स्वीडन महिला यूरो के सेमीफाइनल में पहुंचा

लीघ। स्वीडन ने महिला यूरोपीय चैंपियनशिप में स्टॉपेज टाइम (90+2 मिनट) में गोल कर बेल्जियम को 1-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना मेजबान देश इंग्लैंड से होगा। बेल्जियम की गोलकीपर निकी एवरार्ड ने लीघ स्पोर्ट्स विलेज में बारिश के बीच खेले गये मैच में कई शानदार बचाव किए लेकिन वह छह यार्ड की दूरी के लगाए गए लिंडा सेम्ब्रेंट की किक को रोकने में विफल रहीं। 35 साल की रक्षापंक्ति की खिलाड़ी सेम्ब्रेंट को क्वार्टर फाइनल मैच में मैदान पर उतरने का मौका इसलिए मिला क्योंकि टीम के कुछ खिलाड़ी कोरोना वायरस के चपेट में आ गए थे।

श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान की हालिया जीत 1987 में भारत के खिलाफ मिली जीत की तरह: रमीज

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने गॉल टेस्ट में श्रीलंका के खिलाफ हालिया जीत को 1987 में भारत के खिलाफ बेंगलुरु टेस्ट में मिली ऐतिहासिक जीत के बराबर करार देते हुए टीम की तारीफ की। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले में जीत के लिए मिले 342 रन के लक्ष्य को मैच के पांचवें दिन हासिल कर इतिहास रच दिया। टीम ने गॉल में चौथी पारी में सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करने के साथ श्रृंखला में 1-0 की बढ़त कायम की। रमीज ने पाकिस्तान के एक समाचार चैनल से कहा, ''मुश्किल परिस्थितियों के दृष्टिकोण से मैं कहूंगा कि लक्ष्य का पीछा करने के मामले में यह पाकिस्तान की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट जीत में से एक है। कठिन परिस्थितियों के संदर्भ में मैं कहूंगा कि गॉल की जीत उस जीत के बराबर है जो हमने बेंगलुरु में भारत के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर हासिल की थी।'' पूर्व टेस्ट कप्तान रमीज इमरान खान के नेतृत्व वाली उस टीम का हिस्सा थे जिसने 1987 में बेंगलोर में कम स्कोर वाले टेस्ट में भारत को हराया था। पाकिस्तान ने इस टेस्ट को 16 रन से जीता था। रमीज ने कहा कि बाबर को पूरी छूट दिये मिलने से मजबूत टीम के गठन में मदद मिली। उन्होंने कहा, '' यह टीम उनकी संपत्ति है और मुझे इस बात की खुशी है कि वह कप्तान के तौर पर और टीम के दूसरे खिलाड़ी प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी लेते है।''

सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 बाधा दौड़ में अपना विश्व रिकॉर्ड सुधारा

यूजीन (एजेंसी)।

सिडनी मैकलॉघलिन ने 400 मीटर बाधा दौड़ में 50.68 सेकंड के समय के साथ अपने विश्व रिकॉर्ड में सुधार करते हुए विश्व चैम्पियनशिप का पहला स्वर्ण पदक हासिल किया। इस 22 साल की धाविका ने ट्रैक पर अपना दबदबा कायम करते हुए बड़े अंतर से प्रतिस्पर्धियों को पछाड़ा। यह लगातार चौथी बार है जब उन्होंने किसी बड़े टूर्नामेंट में अपने व्यक्तिगत रिकॉर्ड में सुधार किया है।

नीदरलैंड की फेम्के बोल उनसे 1.59 सैकंड पीछे 52.27 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि गत विश्व चैम्पियन दलिला मुहम्मद 53.13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रही। दलिला सात साल पहले इस समय के साथ स्वर्ण पदक विजेता होती।

मैकलॉघलिन ने अपनी स्पर्धा के बाद कहा कि यह अविश्वसनीय लग रहा है। हेवर्ड स्टेडियम में मैकलॉघलिन ने बोल और दलिला को शुरुआती 150 मीटर के बाद पीछे छोड़ा और फिर अपनी बढ़त को मजबूत करते गई। उन्होंने रेस पूरा करने के बाद घड़ी और स्कोरबोर्ड को देखा और कहा कि यह शानदार है, शानदार है। पदक समारोह के बाद विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन कोए ने मैकलॉघलिन को एक लाख डॉलर (लगभग 80 लाख रुपए) का चेक प्रदान किया। यह रकम इस प्रतियोगिता में नया विश्व रिकॉर्ड कायम करने वाले एथलीट को बोनस पुरस्कार के तौर पर मिलता है। मैकलॉघलिन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं बस दौड़ना और जीतना चाहती थी। आखिरी के 100 मीटर का रेस काफी मुश्किल था। पुरुषों की दौड़ में अमेरिका के माइकल नॉर्मन ने 44.29 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने दौड़ के आखिरी 80 मीटर में 2012 ओलिम्पिक चैम्पियन किरानी जेम्स को पछाड़कर यह खिताब हासिल किया। आयोजन के 8वें दिन अमरीका ने नौ स्वर्ण के साथ कुल 26 पदक जीत कर तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति काफी मजबूत कर ली है।

वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज में चौथे दौर के बाद भी आनंद की बढ़त बरकरार

डोर्टमंड । भारत के पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नो केस्लिंग वर्ल्ड मास्टर्स शतरंज के चौथे राउंड के बाद एकल बढ़त बनाए हुए है। आनंद नें चौथे राउंड में जर्मनी के दिमित्री कोल्लार्स से बाजी ड्रॉ खेली। सफेद मोहरों से खेल रहे आनंद क्यूजीडी शुरुआत में बेहतर नजर आ रहे थे, पर मोहरों की अदला-बदली के बीच 50 चालों तक चले एंडगेम में बाजी ड्रॉ पर समाप्त हुई। चौथे दौर का दूसरा मुकाबला इंग्लैंड के माइकल एडम्स और जर्मनी के डेनियल फ्रिडमन के बीच खेला गया और वह भी बेनतीजा रहा।

मौसम के साथ सामंजस्य बिठाने पर रहेगा ध्यान, पदक के लिए जी-जान लगा देंगे : मनप्रीत

बेंगलुरु (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा कि ब्रिटेन पहुंचने के बाद मौसम के अनुकूल ढलने का प्रयास करेंगे। उन्होने कहा कि भारतीय टीम राष्ट्रमंडल खेलों में पदक हासिल करने के लिए जी-जान लगा देगी। टीम 28 जुलाई से आठ अगस्त तक चलने वाले खेलों में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को बर्मिंघम रवाना हुई। उन्होंने रवानगी से पहले कहा हम इस आयोजन को लेकर काफी उत्साहित हैं, क्योंकि हम पिछले कुछ समय से इस प्रतियोगिता को ध्यान में रखकर अभ्यास कर रहे हैं।

हम दुनिया की कुछ सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा टीम ने पिछले कुछ महीनों में अपनी ताकत और कमजोरियों पर काम किया है और हम यहां पदक जीतने के लिए जो कुछ भी करना हो वह करेंगे। भारत पूल बी में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 31 जुलाई को घाना के खिलाफ करेगी। मनप्रीत का मानना है कि एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के 2021-2022 सत्र में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भारत का तीसरा स्थान हासिल करना बर्मिंघम में मददगार होगा। ड्रेसिंग रूम के माहौल के बारे में पूछे जाने पर मनप्रीत ने कहा हर कोई उत्साहित है और मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा अभी, हम बर्मिंघम पहुंचने और वहां के मौसम के अनुकूल ढलने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम अपने पहले मैच की भी तैयारी कर रहे हैं, क्योंकि घाना के खिलाफ बेहतर शुरुआत हमारे अभियान के लिए अहम होगा।

जडेजा घुटने में चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ दो एकदिवसीय मैचों से बाहर

पोर्ट ऑफ स्पेन। भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा शुक्रवार को घुटने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों से बाहर हो गए। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां तीन मैचों की श्रृंखला के शुरुआती वनडे से पहले उनकी फिटनेस की जानकारी दी। बीसीसीआई से जारी बयान के मुताबिक, ''रविंद्र जडेजा के दाहिने घुटने में चोट लगी है और वह वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे से बाहर हो गए हैं।'' उन्होंने बताया, ''बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी प्रगति पर नजर रखे हुए है और तीसरे एकदिवसीय में उनके भाग लेने पर फैसला उसी के अनुसार लिया जाएगा। वेस्टइंडीज टीम में वापसी करने वाले दिग्गज हरफनमौला जेसन होल्डर भी कोविड-19 से संक्रमित होने के कारण इस मैच में चयन के लिये उपलब्ध नहीं थे।

उम्र धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए एक सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगा बीसीसीआई

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) प्रायोगिक तौर पर उम्र धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए मौजूदा 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति के साथ एक सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगा, जिसका मकसद नतीजे को तुरंत प्राप्त करने के साथ लागत में 80 प्रतिशत तक की बचत करना है। आयु धोखाधड़ी के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने वाला बीसीसीआई फिलहाल उम्र निर्धारण के लिए 'टीडब्ल्यूथ्री' पद्धति (बाएं हाथ और कलाई के एक्स-रे पर आधारित) का उपयोग करता है। वर्तमान पद्धति में हर परीक्षण की लागत 2400 रुपए है और इसके परिणाम आने में 3 से 4 दिन का समय लगता है जबकि 'बोनएक्सपर्ट सॉफ्टवेयर' का प्रस्तावित उपयोग तात्कालिक परिणाम देगा और लागत केवल 288 रुपए होगी। बीसीसीआई के नोट में कहा गया कि आयु की पुष्टि के लिए बीसीसीआई पर्यवेक्षक की उपस्थिति में खिलाडियों की कलाई का एक्स-रे कराता है और फिर राज्य क्रिकेट संघ एक्स-रे कॉपी को बीसीसीआई एवीपी (आयु सत्यापन विभाग) के पास भेजता है।

उन्होंने कहा कि बीसीसीआई एवीपी उसे अपने पैनल के दो स्वतंत्र रेडियोलॉजिस्ट को भेजता है। रेडियोलॉजिस्ट इसका आकलन कर अपनी रिपोर्ट बीसीसीआई को सौंपता है और इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। 38 राज्य संघों के खिलाडियों की निगरानी के लिए बीसीसीआई के पास चार रेडियोलॉजिस्ट है। इसके मुताबिक- बोर्ड प्रयोग पर राज्य संघों के साथ काम करेगा। बोर्ड हालांकि अपने डेटाबैंक में सीमित संख्या में एक्स-रे पर चल रहे परीक्षण डेटा से संतुष्ट हैं, फिर भी हम इससे पूरी तरह संतुष्ट होने के लिए सभी संघों में बड़ी संख्या में एक्स-रे (लगभग 3800) के साथ सॉफ्टवेयर की जांच करना चाहते है।

बीसीसीआई के अंतर्गत आने वाले टूर्नामेंट में कई बार आयु वर्ग के टूर्नामेंटों में कई बार धोखाधड़ी के मामले सामने आए है। जून 2019 में, जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज रसिख आलम को गलत जन्म प्रमाण पत्र जमा करने का दोषी पाए जाने के बाद दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। इससे पहले अंडर-19 विश्व कप स्टार मंजोत कालरा, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली के बल्लेबाज अंकित बावने उन क्रिकेटरों में शामिल हैं जिन्हें अपनी उम्र छुपाने का दोषी पाया गया है। बीसीसीआई ने अगस्त 2020 में अपने पंजीकृत खिलाडियों के लिए सही आयु बताने की एक स्वैच्छिक योजना शुरू की थी। बीसीसीआई में उम्र को लेकर धोखाधड़ी करने वाले क्रिकेटरों को दो साल के लिए प्रतिबंधित करने का प्रावधान है।

बीसीसीआई दिलीप ट्रॉफी को क्षेत्रीय प्रारूप में और ईरानी कप सीनियर पुरुष घरेलू कैलेंडर में वापस ला रहा

मुंबई। बीसीसीआई दिलीप ट्रॉफी को क्षेत्रीय प्रारूप में और ईरानी कप को 2022-23 के सीनियर पुरुष घरेलू कैलेंडर में वापस लाने जा रहा है, जो सितंबर की शुरुआत में शुरू हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण रूप से अंडर-16 टूर्नामेंट के अलावा बोर्ड ने कैलेंडर में कई महिला प्रतियोगिताओं को भी शामिल किया है। रणजी ट्रॉफी को दिसंबर और फरवरी के बीच संभावित रूप से आयोजित कराने की योजना है, जो सैयद मुश्ताक अली टी20 (अक्तूबर-नवंबर) और विजय हजारे ट्रॉफी (नवंबर-दिसंबर) के बाद होने की संभावना है। यह चार एलीट और एक प्लेट पूल वाले अपने पुराने प्रारूप में वापस आ जाएगा, जिसमें एलीट टीम को कम से कम सात ग्रुप मैच मिलने की संभावना है। अंतिम तारीखें जल्द ही जारी होगी। 2006 में भारतीय महिला क्रिकेट संघ द्वारा महिलाओं के लिए अंडर-16 टूर्नामेंट का आखिरी बार आयोजन हुआ था, जिसे महिला अंडर-19 विश्व कप (टी-20) को ध्यान में रखकर वापस लाया गया है। इस ग्लोबल टूर्नामेंट का उद्घाटन संस्करण अगले साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होना है। भारत की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि अंडर-16 काफी अहम टूर्नामेंट है। मुझे याद है, जब मैं 10-11 साल की थी और अंडर-19 टीम में जगह बनाने की कोशिश कर रही थी, तब मुझे बताया गया था कि मैं बहुत छोटी हूं।

पार्थ चटर्जी गिरफ्तार, कोर्ट ने दो दिन की ईडी रिमांड पर भेजा

कोलकाता, 23 जुलाई (एजेन्सी)। प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया है कि उन्हें शिक्षक भर्ती घोटाले के मामले में अरेस्ट किया गया है। इसके बाद उन्हें स्थानीय अदालत के सामने पेश करने के लिए ले जाया गया। एक दिन पहले ही उनकी करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के घर पर भी ईडी की रेड पड़ी थी। इस छापे में करीब 20 करोड़ रुपये मिलने का दावा हुआ था।

बताया जा रहा है कि मामले में मजिस्ट्रेट नीलम शशि कुजूर ने कोलकाता के बैंकशाल कोर्ट में सुनवाई की। हालांकि, पार्थ को मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया गया। मजिस्ट्रेट ने कहा कि चूंकि यह एक विशेष मामला है, यह इस अदालत के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। इसके बाद कोर्ट ने पार्थ को दो दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। चूंकि उनकी तबीयत ठीक नहीं है, इसलिए उन्हें कोलकाता में ईडी की हिरासत में एसएसकेएम अस्पताल ले जाया जाएगा। अब पार्थ चटर्जी सोमवार को सुबह 10.30 बजे विशेष अदालत में पेश किया जाएगा।

इसके अलावा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पश्चिम बंगाल के कैबिनेट मंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को भी गिरफ्तार कर लिया है। ईडी ने कल अर्पिता मुखर्जी के आवास से करीब 20 करोड़ रुपए की बड़ी नकदी बरामद की थी।

पार्थ चटर्जी के वकील ने कहा कि मेरे मुवक्किल के आवास से कोई पैसा बरामद नहीं हुआ और न ही उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कोई विशेष अनुमति ली गई क्योंकि वे एक लोक सेवक है। प्राथमिक अपराधों में जब भी बुलाया गया वे पेश हुए लेकिन इस बार समन नहीं आया।

एसएससी भर्ती घोटाले में ईडी द्वारा पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी पर टीएमसी नेता फिरहाद हकीम ने कहा कि हम स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और हमें न्यायपालिका पर भरोसा है। टीएमसी पार्टी या सरकार किसी भी विसंगति या कदाचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। न्यायपालिका के फैसले के बाद टीएमसी कार्रवाई करेगी।

गौरतलब है कि ईडी के अधिकारियों ने कथित शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में चटर्जी से शुक्रवार को रातभर पूछताछ की। एजेंसी के अधिकारियों ने चटर्जी से आवास पर शुक्रवार सुबह आठ बजे से उनसे पूछताछ शुरू की थी, इसके बाद आज उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जब यह कथित घोटाला हुआ था, तब चटर्जी राज्य के शिक्षा मंत्री थे। प्रवर्तन निदेशालय इस घोटाले में कथित रूप में शामिल लोगों के खिलाफ धनशोधन संबंधी पहलू की जांच कर रहा है।

पार्थ चटर्जी अभी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री हैं। सीबीआई दो बार उनसे पूछताछ कर चुकी है। पहली बार 25 अप्रैल को और दूसरी बार 18 मई को पूछताछ की गई थी। पश्चिम बंगाल के शिक्षा राज्यमंत्री अधिकारी से भी सीबीआई पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा उनकी बेटी स्कूल शिक्षक की अपनी नौकरी गंवा चुकी हैं।

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं। हम उचित समय पर इस मामले पर बयान जारी करेंगे। इस बीच, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय को विधानसभा के किसी सदस्य को गिरफ्तार करने से पहले अध्यक्ष को इसके बारे में सूचित करना चाहिए।

उन्होंने कहा, ईडी या सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो) को किसी भी सांसद या विधायक को गिरफ्तार करते समय लोकसभा या विधानसभा के अध्यक्ष को सूचित करना होता है। यह संवैधानिक नियम है, लेकिन चटर्जी की गिरफ्तारी के बारे में ईडी से मुझे कोई सूचना नहीं मिली।

एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि ईडी ने चटर्जी की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को भी हिरासत में ले लिया जिनके एक परिसर से 21 करोड़ रुपये नकद राशि जब्त की गई थी। अफसर ने कहा, चटर्जी हमारे अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं कर रहे थे जो उनसे शुक्रवार सुबह से पूछताछ कर रहे थे। उन्हें दिन में एक अदालत में पेश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी के घर पर भी ईडी ने छापा मारा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस दौरान ईडी ने करीब 20 करोड़ रुपये नकद बरामद किए हैं। इस कार्रवाई की जो तस्वीर सामने आई है, उसमें 500 रुपये और 2000 रुपये के नोटों का एक बड़ा पहाड़ देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्पिता के अलावा ईडी ने कई और ठिकानों पर छापे मारे हैं। इस सूची में मंत्री पार्थ चैटर्जी, माणिक भट्टाचार्य, आलोक कुमार सरकार, कल्याण मॉय गांगुली जैसे नाम शामिल बताए गए हैं। बताया जा रहा है कि इतनी बड़ी जब्ती के बाद आरबीआई का एक ट्रक अर्पिता के घर पर पहुंचा है। ट्रक में कई सील बंद ट्रंक रखे गए हैं।

प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक, 14 स्थानों पर तलाशी ली गई, जिनमें अर्पिता मुखर्जी के आवास सहित दो संदिग्ध स्थान थे। उनके घर से बरामद दस्तावेज दो पक्षों के बीच सीधे तौर पर लिंक और पैसे के आदान-प्रदान को दर्शाता है। इस बीच पार्थ की करीबी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी के वकील नीलाद्री भट्टाचार्य ने बताया कि मैंने ईडी का अरेस्ट मेमो और जब्त की गई संपत्ति की लिस्ट देखने की इच्छा जाहिर की थी, लेकिन मुझे इजाजत नहीं दी गई। एफआईआर की कॉपी देखने के बाद ही कुछ कह पाऊंगा।

मीडिया पर भड़के सीजेआई रमना, कहा-इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में शून्य जवाबदेही

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने शनिवार को कहा कि मीडिया द्वारा चलाई जा रही कंगारू अदालतें और एजेंडा आधारित बहसें लोकतंत्र के लिए हानिकारक हैं। रांची में न्यायमूर्ति सत्यव्रत सिन्हा की याद में स्थापित व्याख्यान के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश ने यह भी कहा कि मीडिया ट्रायल से न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्ष कामकाज प्रभावित होता है।

सीजेआई ने कहा, मीडिया ट्रायल किसी मामले में फैसला लेने में मार्गदर्शक कारक साबित नहीं हो सकता है। पिछले कुछ समय में हमने मीडिया को कई बार उन मुद्दों को लेकर कंगारू अदालतें चलाते देखा है, जिनमें यहां तक कि अनुभवी न्यायाधीशों के लिए भी निर्णय लेना मुश्किल होता है। न्याय प्रदान करने से जुड़े मुद्दों पर गलत सूचना का प्रसार और एजेंडा आधारित बहस लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित हो रही है।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा, मीडिया द्वारा प्रचारित किए जा रहे पक्षपातपूर्ण विचार लोगों को प्रभावित कर रहे हैं, लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं और व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे न्याय देने की प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। अपनी जिम्मेदारियों से भागकर आप हमारे लोकतंत्र को दो कदम पीछे ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रिंट मीडिया में अभी भी कुछ हद तक जवाबदेही बची है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की कोई जवाबदेही नहीं है, क्योंकि यह जो दिखाता है, वह हवा में गायब हो जाता है।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा कि कई बार मीडिया में, खासकर सोशल मीडिया पर न्यायाधीशों के खिलाफ अभियान चलाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जिम्मेदारियों की लगातार अनदेखी और उससे पैदा सामाजिक अशांति के कारण मीडिया के लिए सख्त नियम बनाने और जवाबदेही तय करने की मांग जोर पकड़ रही है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हालिया ट्रेंड को देखते हुए अपने शब्दों पर विचार करना और नाप-तौलकर बोलना वास्तव में मीडिया के हित में है। आपको अपनी जिम्मेदारी की अनदेखी करके सरकार या अदालतों को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, न्यायाधीश तुरंत प्रतिक्रिया नहीं देते। लेकिन कृपया इसे उनकी कमजोरी या लाचारी न समझें। जब आजादी का उसके अधिकार क्षेत्र में जिम्मेदारी से इस्तेमाल किया जाता है तो उचित या आनुपातिक प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं पड़ती।

न्यायमूर्ति रमण ने मीडिया, खासकर इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया से जिम्मेदारी के भाव से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शक्ति का इस्तेमाल एक प्रगतिशील, समृद्ध और शांतिपूर्ण भारत का निर्माण करने के सामूहिक प्रयास की दिशा में लोगों को शिक्षित करने और राष्ट्र को सक्रिय करने के लिए किया जाना चाहिए।

न्यायमूर्ति रमण ने न्यायपालिका को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया और कहा कि न्यायाधीशों पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा, क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक न्यायाधीश, जिसने दशकों तक पीठ में सेवाएं देते हुए कुख्यात अपराधियों को सलाखों के पीछे धकेला हो, एक बार जब वह सेवानिवृत्त हो जाता है तो कार्यकाल के साथ मिलने वाली सभी सुरक्षा खो देता है? न्यायाधीशों को बिना किसी सुरक्षा या रक्षा के आश्वासन के उसी समाज में रहना पड़ता है, जिसके कुछ लोगों को उन्होंने दोषी ठहराया है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, राजनेताओं, नौकरशाहों, पुलिस अधिकारियों और अन्य जन प्रतिनिधियों को अक्सर उनके काम की संवेदनशीलता के कारण सेवानिवृत्ति के बाद भी सुरक्षा मुहैया कराई जाती है। लेकिन, विडंबना यह है कि न्यायाधीशों को समान सुरक्षा नहीं दी जाती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में न्यायपालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक निर्णय के लिए प्राथमिकता के आधार पर मामले तय करना है, क्योंकि न्यायाधीश सामाजिक हकीकतों के प्रति आंखें नहीं मूंद सकते हैं।

न्यायमूर्ति रमण ने कहा, मैं इस देश में न्यायपालिका के भविष्य को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर करने से कभी पीछे नहीं हटूंगा... पहले से ही कमजोर न्यायिक ढांचे पर बोझ दिन बदिन बढ़ता जा रहा है। बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के लिए कुछ विचार-विमर्श हुए हैं... हालांकि, मैंने न्यायपालिका को निकट भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने के वास्ते किसी ठोस योजना के बारे में नहीं सुना है। ऐसे में दीर्घकालिक चुनौतियों से निपटने की योजना को तो छोड़ ही दीजिए। उन्होंने स्पष्ट किया, न्यायपालिका और कार्यपालिका के समन्वित प्रयासों से ही बुनियादी ढांचे के संवेदनशील मुद्दे को संबोधित किया जा सकता है।

शिक्षा का क्षेत्र थकाने वाला नहीं बल्कि मजेदार : विराज उदय सिंह

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। नई दिल्ली स्थित वसंतकुंज डी.पी.एस. स्कूल के विराज उदय सिंह ने सी.बी.एस.ई. 10वीं कक्षा में 99.6 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। चंडीगढ़ में आयकर आयुक्त राम मोहन सिंह के पुत्र विराज का अकादमिक क्षेत्र में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है।

उन्हें क्यूबिंग में गहरी रुचि है और यू-ट्यूब चैनल वीरोक्यूब के संस्थापक हैं। अपने चैनल पर उन्होंने क्यूबिंग सीखने और स्पीड क्यूबर बनने के लिए विभिन्न ट्यूटोरियल पोस्ट किए हैं। उन्हें कोड्क्षडग और कम्ख्रयूटिंग का भी शौक है। कम्ख्रयूटिंग में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजयी रहे हैं। गणित विषय से संबंधित ओलिम्पियाड में भाग लेकर पुरस्कार हासिल कर चुके हैं।

विराज उदय सिंह की समाज सेवा के क्षेत्र में भी गहरी सोच है। वे अपने ज्ञान को अन्य सहपाठियों के साथ सांझा करने में भी विश्वास रखते हैं। लर्न टूगैदर फाऊंडेशन के संस्थापक और सी.ई.ओ. हैं। इसके माध्यम से वे कम्ख्रयूटिंग और क्यूबिंग में अपने ज्ञान और कौशल को सांझा करते हैं। उन्होंने बताया कि रचनात्मक रूप से शिक्षा के क्षेत्र में अध्ययन करना चाहिए जिससे आप प्रत्येक विषय की खोज करने से महत्वपूर्ण जानकारी जुटा सकते हैं। शिक्षा का क्षेत्र थकाने वाला नहीं बल्कि मजेदार है। सफलता का श्रेय शिक्षकों, अभिभावकों और दोस्तों को दिया। कम्ख्रयूटर इंजीनियरिंग में भविष्य बनाने का सपना है।

हाथरस में कांवड़ियों को डंपर ने रौंदा, 6 की मौत

हाथरस, 23 जुलाई (एजेन्सी)। उत्तरप्रदेश के हाथरस में सात कंवड़ियों को डंपर से रौंदने का मामला सामने आया है।

मध्यप्रदेश के रहने वाले सात कांवड़ियों को उत्तरप्रदेश के हाथरस में एक डंपर ने बुरी तरह से रौंद दिया, जिसमें पांच कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ा। ये सभी कांवड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर ग्वालियर लौट रहे थे। मृतक कांवड़िये मध्यप्रदेश में ग्वालियर के उटीला थाना इलाके के बांगीपुरा गांव के रहने वाले थे। हादसे में एक घायल को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह घटना शुक्रवार देर रात सवा दो बजे की बताई जा गयी है। मौके पर मौजूद एक कांवड़िये ने बताया कि हम एक ढाबे पर खाना खा रहे थे, तभी ड्राइवर ने डंपर चढ़ा दिया।

हादसा हाथरस में कोतवाली सादाबाद बढ़ार चौराहे पर हुआ। आगरा जोन के राजीव कृष्ण ने बताया कि घटना के बाद ड्राइवर डंपर लेकर भाग निकला।

42 लोगों का जत्था एक साथ गंगाजल लेकर जा रहा था।

उत्तर प्रदेश के हाथरस-सादाबाद मार्ग पर शनिवार तड़के एक डंपर ने गंगाजल लेकर जा रहे कांवड़ियों को कुचल दिया। इनमें से 6 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल है। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार वैद्य ने बताया कि हाथरस के सादाबाद थाने में शनिवार तड़के करीब सवा दो बजे सात कांवड़ श्रद्धालुओं को एक ट्रक ने रौंद दिया, जिसमें 6 की मौत हो गई और एक घायल हो गया। वे अपने कांवड़ के साथ हरिद्वार से ग्वालियर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि ये सभी ग्वालियर के रहने वाले थे।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे के वक्त पांच की तुरंत घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि एक की मौत अस्पताल में हो गई। अभी एक घायल का उपचार हो रहा है। डंपर को पकड़ लिया गया है अवाश्यक कार्यवाही की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही एडीजी आगरा जोन और आईजी अलीगढ़ मौके पर पहुंचे।

स्थानीय लोगों ने बताया कि ग्वालियर के कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार से गंगाजल लेकर जा रहा था। सादाबाद से चार किलोमीटर पहले बढ़ार चौराहे के पास पीछे से आ रहे अनयिंत्रित डंफर कांवड़ियों को रौंदते हुए चला गया। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच कांवड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद हाथरस में सड़क हादसे में हुई लोगों की मौत पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगतों की आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

हंगामे की भेंट चढ़ी राज्यसभा के पहले हफ्ते की कार्यवाही

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। राज्यसभा ने मौजूदा मानसून सत्र के पहले सप्ताह में 26.90 प्रतिशत कामकाज की सूचना दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्यसभा सचिवालय ने कहा कि उच्च सदन में सप्ताह के पहले तीन दिनों के दौरान केवल एक घंटे 16 मिनट विधायी कार्य किया, जबकि पिछले दो दिनों के दौरान इसमें सुधार हुआ और यह पांच घंटे 31 मिनट हो गया। उन्होंने कहा कि व्यवधानों और जबरन स्थगन के कारण निर्धारित बैठक के कुल 18 घंटे 44 मिनट का समय नष्ट हो गया है।

सप्ताह के आखिरी दिन की कार्यवाही में शुक्रवार को स्वास्थ्य के अधिकार को लेकर एक निजी विधेयक पर ढाई घंटे की चर्चा के कारण कामकाज की अवधि में कुछ हद तक सुधार संभव हुआ। सदन में मूल्य वृद्धि पर चर्चा करने और नियम 267 के तहत जीएसटी वृद्धि पर चर्चा करने की विपक्ष की मांग पर कार्यवाही में व्यवधान देखा गया।

सभापति एम. वेंकैया नायडू ने सदन को सूचित किया कि मूल्य वृद्धि पर अलग से चर्चा का निर्णय लिया गया है और सदन में सामान्य स्थिति की वापसी के लिए उन्होंने विपक्ष के कुछ नेताओं से भी बात की। अधिकारियों ने कहा कि चालू सत्र के पहले सप्ताह के दौरान, 75 सूचीबद्ध तारांकित प्रश्नों में से 22 का सदन में मौखिक उत्तर दिया गया, जबकि सदस्यों द्वारा पांच विशेष उल्लेख किए गए।

सामूहिक विनाश के हथियार और उनकी वितरण प्रणाली (गैरकानूनी गतिविधियों की रोकथाम) विधेयक, 2022 पर 42 मिनट तक चर्चा हुई, जिसमें आठ सदस्यों ने भाग लिया। सप्ताह के दौरान नौ गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयक पेश किए गए। सचिवालय ने कहा कि तीस नव-निर्वाचित सदस्यों ने सदन की सदस्यता की शपथ ली।

भारत व ब्रिटेन एक-दूसरे की उच्च शैक्षणिक डिग्री को देंगे मान्यता, समझौते पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। भारत और ब्रिटेन ने एक-दूसरे की उच्च शैक्षणिक डिग्री को मान्यता देने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे दोनों देशों के हजारों युवाओं को फायदा मिलने की उम्मीद है। यह कदम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की उनकी 10 वर्षीय रूपरेखा का एक हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार ने बृहस्पतिवार को इसकी घोषणा की। उसने एक बयान में कहा, यह समझौता प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गत वर्ष की गई ब्रिटेन-भारत वृहद व्यापार साझेदारी (ईटीपी) का हिस्सा है।

इस समझौता ज्ञापन का मतलब है कि ए-स्तर और उनके समान, स्नातक और परास्नातक सभी डिग्री को अब भारत में भी मान्यता दी जाएगी।'' बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा में काम करने और प्रशिक्षण लेने की इच्छुक भारतीय नर्स और नर्सिंग सहायकों को अवसर प्रदान करने के लिए एक कार्य बल गठित करने की ईटीपी की प्रतिबद्धताओं के क्रियान्वयन के समझौते ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

ब्रिटेन के अंतरराष्ट्रीय व्यापार विभाग ने कहा कि उच्च शिक्षा पर समझौते ज्ञापन से ब्रिटिश विश्वविद्यालयों से स्नातक करने वाले भारतीय छात्र अपने देश लौटने के बाद परास्नातक में दाखिले के लिए आवेदन दे सकेंगे या उन सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन दे सकेंगे, जिसमें स्नातक की डिग्री मांगी जाती है। ब्रिटेन और भारत पहले ही एक-दूसरे के छात्रों के लिए पढ़ाई की पसंदीदा जगह है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2020-21 में ब्रिटेन में 84,555 भारतीय छात्रों ने दाखिला लिया था। बयान में कहा गया है कि इस समझौते से ब्रिटिश नागरिकों के भारत जाकर पढ़ाई करने की संभावना बढ़ गयी है।

केजरीवाल को सत्ता में बने रहने का हक नहीं, तुरंत इस्तीफा दें : ठाकुर

राजेश अलख

नई दिल्ली, 23 जुलाई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर अपने भ्रष्ट मंत्रियों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि केजरीवाल को सत्ता में बने रहने का कोई हक नहीं है और उनके भ्रष्ट मंत्रियों को भी तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए।

केजरीवाल सरकार पर शराब माफिया को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस मामले में भाजपा द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों का केजरीवाल कोई जवाब नहीं दे पाए, जिससे यह साबित होता है कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच की जो सिफारिश केंद्रीय गृह मंत्रालय से की है, उसमें ताकत, तथ्य और सत्य है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास कोई विभाग नहीं है, लेकिन एक के बाद एक विभागों में घोटाले हो रहे हैं। केजरीवाल के नाक तले उनके लोग मिलकर घोटाला कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सत्येंद्र जैन के बारे में भी केजरीवाल ने दावा किया था, लेकिन वह भ्रष्टाचार के गंभीर मामले में जेल में हैं और दो महीने से उन्हें जमानत नहीं मिली है।

ठाकुर ने कटाक्ष करते हुए पूछा कि जिस तरह से जेल जाते ही सत्येंद्र जैन की याददाश्त चली गई, क्या उसी तरह से अब मनीष सिसोदिया की भी याददाश्त जाने वाली है। ठाकुर ने आम आदमी पार्टी और केजरीवाल पर निशाना जारी रखते हुए आगे कहा कि राजनीति में आने से पहले भ्रष्टाचार मुक्त भारत की बात करने वाले केजरीवाल की सरकार में ही भ्रष्टाचार के नए आयाम खड़े हो रहे हैं।

कभी विधायक और कभी मंत्री पर आरोप लग रहे हैं, लेकिन केजरीवाल ठोस जवाब देने की बजाय चुप हैं और भ्रष्टाचारियों को सरंक्षण दे रहे हैं।

बता दें कि दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में गड़बड़ियों की शिकायत मिलने पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इस पूरे मामले की सीबीआई जांच कराने की सिफारिश केंद्रीय गृह मंत्रालय से की है। एलजी की इस सिफारिश के बाद भाजपा नेता लगातार केजरीवाल सरकार पर हमला बोल रहे हैं।

मेरी बेटी छात्रा है, वो बार नहीं चलाती : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, 23 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस के आरोपों पर स्मृति ईरानी ने कहा कि मेरी बेटी 18 साल की है, जो राजनीति नहीं करती। एक कॉलेज की छात्रा है। वो बार नहीं चलाती है। कांग्रेस ने आरटीआई के आधार पर मेरी बेटी पर आरोप लगाए हैं। लेकिन, जिस आरटीआई की बात की जा रही है, उसमें मेरी बेटी का कहीं कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि अमेठी में गांधी फैमिली अपनी हार को पचा नहीं पाई, इसलिए ऐसे आरोप लगा रही है। वो इसके खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी।

दरअसल, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने प्रेस कांफ्रेंस करके स्मृति ईरानी पर गंभीर आरोप लगाए। कहा कि उनकी 18 साल की बेटी के नाम पर बार चलाया जा रहा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि हम मांग करते हैं कि पीएम तुरंत स्मृति ईरानी का इस्तीफा लें। ईरानी पर ये आरोप नहीं दस्तावेज हैं जिन्हें आरटीआई से लिया गया है। स्मृति ईरानी की बेटी के द्वारा गोवा में चल रहे बार पर फर्जी लाइसेंस रखने का आरोप है। ये सब गैरकानूनी तरीके से हुआ।

कांग्रेस के आरोपों पर जवाब देते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि वो अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी और मेरी बेटी पर गलत आरोप लगाने के आरोप में कांग्रेस को सबक सिखाएंगी। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी महज 18 साल की है और कॉलेज की छात्रा है, वो बार नहीं चलाती। न ही राजनीति में है।

अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी ने कहा कि उनका कसूर सिर्फ इतना है कि उन्होंने अमेठी में राहुल गांधी को हराया है। राहुल गांधी को चुनौती देते हुए ईरानी ने कहा कि वो साल 2024 में भी अमेठी से ही चुनाव लड़ेंगी और राहुल गांधी को मुंह तोड़ जवाब देंगी।

स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने प्रेस कांफ्रेंस करके जो मेरी बेटी के ऊपर बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, वो सब गांधी फैमिली के इशारे पर लगाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि जयराम रमेश ने कहा कि आरटीआई में मेरी बेटी का नाम है। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि मेरी बेटी का नाम दिखाएं तो सही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com